Discussion on Motion of Thanks on the President?s Address moved by Shri Anurag Singh Thakur and seconded by Kumari Bansuri Swaraj (Discussion not included)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) **:** अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

?कि राष्ट्रपति की सेवा में निम्नलिखित शब्दों में एक समावेदन प्रस्तुत किया जाए ?

?कि इस सत्र में समवेत लोक सभा के सदस्य राष्ट्रपति के उस अभिभाषण के लिए, जो उन्होंने 27 जून, 2024 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष देने की कृपा की है, उनके अत्यंत आभारी हैं? ।??

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे इस विषय पर बोलने का अवसर दिया । ? (व्यवधान) मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूँ कि इस 18 वीं लोक सभा में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सर्वप्रथम मुझे अपने विचार व्यक्त करने के लिए मेरी पार्टी ने और माननीय प्रधान मंत्री जी ने मुझे अवसर दिया है । मैं हृदय की गहराइयों से माननीय प्रधान मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ, धन्यवाद करता हूँ ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आप एक बार फिर निर्वाचित हो कर हमारे सदन के स्पीकर बने हैं । ? (व्यवधान) मैं आपको पूरे सदन की ओर से बहुत-बहुत बधाई और आपके इस कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूँ । ? (व्यवधान) बड़ी संख्या में नए सदस्य 18 वीं लोक सभा में चुन कर आए हैं । ? (व्यवधान) बहुत सारे पुराने सदस्य भी चुन कर आए हैं । ? (व्यवधान) नए और पुराने दोनों सदस्यों को भी ढेरों शुभकामनाएं और बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2024 का यह चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव है और जनता ने इस पर मुहर लगाई है, फिर एक बार मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाई है । ? (व्यवधान)

11.29 hrs

At this stage, Shri Rahul Gandhi, Shrimati Supriya Sule and some other hon. Members left the House.

अध्यक्ष जी, देश का यह चुनाव ऐतिहासिक जनादेश, हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के पिछले 10 वर्षों के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के महाअनुष्ठान पर मुहर है । देश को ज़रूरत थी, एक स्थिर और निरंतर सरकार की और देश ने एक स्थिर, निरंतर और प्रभावी सरकार को फिर से चुना है तथा मोदी जी को फिर

से देश का प्रधान मंत्री चुना है । यह जनादेश विकसित भारत की संकल्प की सिद्धि के लिए है । यह जनादेश मोदी जी के नेतृत्व में तीसरे कार्यकाल में भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए है । यह जनादेश विपक्ष के भय, भ्रम और भ्रष्टाचारी राजनीति पर तमाचा है । यह जनादेश मोदी जी द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक न्याय पर समाज की मुहर है । यह जनादेश देश को तोड़ने की नहीं, बल्कि जोड़ने की राजनीति चलेगी, इस पर मुहर है । यह जनादेश संविधान विरोधियों को लगातार तीसरी बार विपक्ष में बैठाने के लिए जनादेश है । यह जनादेश भारत की सेना, सरहद और सनातन की सुरक्षा का है । यह जनादेश यह भी बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं । मैं ही नहीं, अब तो दुनिया भर के अनेक देशों ने अपने देश का सर्वोच्च सम्मान किसी को दिया है तो हमारे प्रधानमंत्री और देश के लोकप्रिय नेता मोदी जी को दिया है । मोदी जी एक ऐसे नेता हैं, जिनको यू.एस. कांग्रेस में एक बार नहीं, बल्कि दो-दो बार अपनी बात रखने का अवसर मिला है ।

माननीय अध्यक्ष जी, ऐसी अनेक बातें हैं । ऐसे ही कोई मोदी नहीं बन जाता है, इसके लिए तपना पड़ता है, खपना पड़ता है, जीवन व्यतीत करना पड़ता है । मोदी जी ने तो अपने जीवन का हर क्षण, हर पल देश के लिए जिया है, माँ भारती के लिए जिया है । मैं इसलिए भी कहना चाहता हूं कि हम सब को ज्ञात हैं कि वर्ष 2001 में जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो तब से लेकर अब तक 23 वर्षों में एक दिन की भी छुट्टी अपने लिए नहीं ली । उन्होंने अपना जीवन जनता के लिए समर्पित किया है । इससे बड़ी बात क्या होगी कि अगर किसी के जीवन में दुख का क्षण आता है, जब अपनी माँ से बिछड़ता है । आदरणीय प्रधानमंत्री जी की माता का स्वर्गवास हुआ था, तब भी उन्होंने उनकी चिता को अग्नि देने के बाद मात्र दो घंटों के अंदर ही देश के लिए काम करना शुरू कर दिया । इससे बड़ा समर्पण भाव क्या हो सकता है!

माननीय अध्यक्ष जी, मोदी जी के दिल में जो गरीब और जरुरतमंद के लिए पीड़ा है, हमने वह कोविड के समय देखी है । उनकी नीतियों, कार्यक्रमों और सबमें नजर आता है कि वे गरीब के लिए कितने चिंतित रहते हैं । मैं आपके माध्यम से सदन को याद करवाना चाहता हूं । अगर आप वर्ष 2014 में देखें, मोदी जी जब सांसद बने, देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद संसद आए तो पहला शीश कहीं पर झुकाया तो संसद की पहली सीढ़ी पर झुकाया । दुनिया के इस महान लोकतंत्र, मदर ऑफ डेमोक्रेसी को नमन करते हुए अंदर आए और अंदर आकर भी अगर शीश कहीं झुकाया तो बाबा साहब अंबेडकर के संविधान पर शीश झुकाया । उन्होंने कहा कि मेरी सरकार सबका साथ, सबका विकास करेगी । मेरी सरकार गरीब, वंचित, शोषित और पीड़ित की होगी । पिछले 10 वर्षों में आपने देखा कि सारी योजनाएं उस दिशा में चलीं और जो पुराने नारे देते थे ? गरीबी हटाओ, गरीबी हटाओ, इनके नारे ही रह गए, लेकिन मोदी जी की सरकार में 25 करोड़ गरीब गरीबी रेखा से बाहर निकल कर आए । मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स का यह बड़ा आंकड़ा देखने को मिलता है ।

महोदय, मैं आपसे कहना चाह रहा था कि जो कोविड के समय हुआ, पिछले 100 वर्षों में दुनिया ने सबसे बड़ी त्रासदी तब देखी, भारत ने भी संकट को झेला और मैं भी उस समय सरकार का हिस्सा था । मुझे आज भी याद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो पहली बात कही, उन्होंने कहा कि देश के गरीब की थाली खाली नहीं रहनी चाहिए, उसका पेट खाली नहीं रहना चाहिए । उसके लिए अन्न की व्यवस्था करनी है तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना लेकर आए और यदि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज दिया तो मोदी सरकार ने दिया है । आज उसे देश के कोने-कोने तक पहुंचाया है । उस समय दुनिया भर में जो डिलीवरी मैकेनिजम था, वह रुक गया था, लेकिन उसके बावजूद हमने देश के हर कोने तक अनाज पहुंचाया । वह बात अलग है कि कुछ राज्यों में अपनी मुहर लगाकर लोगों ने वह सब काम किया ।

महोदय, मैं एक और बात कहना चाहता हूं । कोविड के समय बहुत जरूरी था । प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जान भी, जहान भी और जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किये । जो पहले हमारे देश में होता था कि 40-40 साल दुनिया भर से वैक्सीन आती थी । इम्पोर्ट करने में पुरानी सरकारें लगती रहती थीं । आत्मनिर्भर भारत- यह केवल सोच ही नहीं, यह केवल संकल्प ही नहीं, बल्कि उसको सच करके दिखाया । भारत ने अपनी दो-दो वैक्सीन को बनाया और 220 करोड़ वैक्सीन मुफ्त में लगायी । आज इस सदन में कुछ लोग ऐसे भी बैठे हैं, जो भारत की बनी वैक्सीन पर ही प्रश्न चिह्न खड़ा करते थे और कहते थे कि वक्सीन मत लगाओ, यह हो जाएगा, वह हो जाएगा । अरे, भारत के लोगों ने वैक्सीन तो लगायी ही, दुनिया के 157 देशों को दवाई और वैक्सीन देने का काम ?वैक्सीन मैत्री? में किया है तो हमारे भारत ने किया है ।

महोदय, मैं विकसित भारत पर जरूर कुछ कहना चाहूंगा, क्योंकि यह जनादेश वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए है । इस यात्रा में हम चाहेंगे कि विपक्ष का पूरा सहयोग मिले । हम अपने देश को विकसित राष्ट्र बनाएं । अगर आज मैं स्पोर्ट्स, स्पेस और साइंस, स्टार्ट-अप्स की बात करूं तो हर क्षेत्र में भारत के नए कीर्तिमान दिखते हैं । आज नये भारत की बुलन्द तस्वीर इसमें दिखती है, जो आंकड़े मैं देने वाला हूं ।

माननीय अध्यक्ष जी, हमें विरासत में क्या मिला था? जब वर्ष 2014 में हम आए तो India was one of the ?Fragile Five? economies of the world and today, India is the fifth largest economy of the world. आप लड़खड़ाती, चरमराती अर्थव्यवस्था छोड़कर गए थे । आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भारत है । दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत है और अगले पांच वर्षों के अन्दर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था मेरे भारत की होगी । यह ऐसे ही नहीं हो गया । अगर मैं कहूं कि इनके समय इकोनामी फेल्योर्स थे, पॉलिसी पैरालिसिस थी, स्कैम्स थे, क्रोनी कैपिटलिज्म था, यह सब आपके समय थे । एक के बाद दूसरे घोटाले होते थे । आज अगर मैं आंकड़े देकर बताऊं, पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक रुपये का कोई आरोप भी नहीं लगा पाया । अगर किसी ने ईमानदार सरकार दी है तो नरेन्द्र मोदी जी ने दी है ।

जीडीपी ग्रोथ रेट 4.6 प्रतिशत थी । अगर मैं पिछले साल के क्वार्टर 3 की बात करूं तो वह 8.4 प्रतिशत है । आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश भारत है । ? (व्यवधान) सीएजीआर इनफ्लेशन की बात करूं तो आपके समय 8.7 प्रतिशत था, आज वह कम होकर 4.8 प्रतिशत रह गया है । इनके समय एफडीआई 36 बिलियन डॉलर थी, हमारे समय 72 बिलयन डॉलर, दो गुनी है । इनके समय एक्सपोर्ट 466 बिलियन डॉलर था, आज वह 770 बिलियन डॉलर है । हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 320 बिलियन डॉलर से बढ़कर 10 सालों में 650 बिलियन डॉलर हो गया है । हमने देश के खजाने को दो गुना भरने का काम किया है । करेंट एकाउंट डेफिसिट जो 5.1 प्रतिशत था, वह कम होकर 2 प्रतिशत रह गया है ।

हम देखें कि गरीब और जरूरतमंद के जीवन में क्या बदलाव आया है? हमारी पार्टी का विचार ही अन्त्योदय पर है । पंक्ति के अंत में खड़े व्यक्ति के जीवन में सुधार कैसे लाया जाए, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की सोच को आगे बढ़ाकर जमीन पर लागू करने का काम नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने किया । पहले देश में गरीब, जरूरतमंद के पास शौचालय नहीं था, पक्का मकान नहीं था, बिजली का कनेक्शन नहीं था, स्वास्थ्य की सुविधाएं नहीं थीं । माननीय अध्यक्ष जी, 10 सालों में क्या बदलाव आया, पिछले 10 सालों में 4 करोड़ पक्के मकान बनाकर गरीब और जरूरतमंदों को दिए तो नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने दिए । मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमने 12 करोड़ शौचालय बनाकर दिए । पहले मात्र 3 करोड़ घरों में नल से जल आता था । हमने 11 करोड़ और नए घरों को नल से जल देने का काम जल जीवन मिशन में किया है । हमने लगभग हर घर तक

बिजली पहुंचा दी है, हर गांव तक तो बिजली पहुंचा ही दी है, हजारों गांवों को विद्युतीकरण करने का काम किया है । जल जीवन मिशन के अलावा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत, जिसे हम ?वाश? कहते हैं - वाटर सैनिटेशन और हाईजीन, इस क्षेत्र में बहुत काम किया है, जो सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के साथ जुड़ा है ।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में गरीब को लगता था कि वह अपना इलाज कहां कराए, उसके पास पर्याप्त धन नहीं होता था । ?आयुष्मान भारत? योजना नरेन्द्र मोदी जी की सरकार लेकर आई और 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का इलाज बिल्कुल मुफ्त में देने का कार्य किया तो मोदी सरकार ने किया । अब 70 वर्ष से ज्यादा की उम्र वालों को 5 लाख रुपये का इलाज बिल्कुल मुफ्त में मिलेगा, जिसे एनडीए की सरकार ने देना शुरू कर दिया है ।

माननीय अध्यक्ष जी, एक नहीं अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे गरीब के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया । जब मैं कहता हूं कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए, तो यह उन लोगों के लिए संदेश है, जिन्होंने 60 साल राज किया, गरीब को और गरीब किया । लेकिन, हमने 10 सालों में वह करके दिखाया, क्योंकि गरीब मां के बेटे को आज देश के प्रधान सेवक के रूप में काम करने का अवसर मिला, तो उन्होंने उनको गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया । जब गरीब गरीबी रेखा से बाहर निकलता है तो उसकी क्रय शक्ति और बढ़ती है, खरीदने की शक्ति बढ़ती है । उससे डिमांड जेनरेट होती है, प्रोडक्शन को और बल मिलता है और कारखानों में रोजगार-स्वरोजगार के अवसर मिलते हैं, हमारी अर्थव्यवस्था को और बल मिलता है ।

हमारे देश में ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज़ ऑफ लिविंग के क्षेत्र में कैसे बदलाव हुआ? जन विश्वास एक्ट की मैं बात करूं तो हमने 183 प्रोविजन्स को डीक्रिमनलाइज किया है, 42 सेंट्रल एक्ट्स में बदलाव करके व्यापारी को, आम जनमानस को काम करने में जो जेल जाने का डर होता था, उसे खत्म किया है ।

11.40 hrs

(Shri Jagdambika Pal *in the Chair*)

मैं ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस के बारे में कहना चाहता हूं, 63 हजार के लगभग देश में कम्पलाएंसेज होती थी, 39 हजार कम्पलाएंसेज के बर्डन को खत्म कर दिया है । आगे निरंतर प्रयास जारी है कि हम इसमें सुधार करेंगे और जनता को काम करने का अवसर मिलेगा । कन्सट्रक्शन परमिट में हमारा रैंक 184 वां था, आज 27 वां है, बिजली प्राप्त करने में 137 वां स्थान था, आज 22 वां है । माइनोरिटी इन्वेस्टर्स प्रोटेक्शन में 13 वां स्थान था, आज 25 वां है । ये सारे कदम हमने उस दिशा में उठाएं हैं । देश के युवाओं में नरेन्द्र मोदी जी का विश्वास का आंकड़ा आपके सामने रखना चाहता हूं जो बदलाव दिखाता है । हमारे देश में मात्र साढ़े तीन सौ स्टार्ट-अप थे । हम दुनिया में कहीं खड़े नहीं थे, आज साढ़े तीन सौ से बढ़कर एक लाख से ज्यादा स्टार्ट-अप हो गए हैं ।

माननीय सभापति जी, इसके साथ-साथ भारत में दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्ट-अप का इको सिस्टम बन गया है । हमारे यहां पहले मात्र तीन-चार यूनिकॉर्न थीं, आज लगभग 107 से ज्यादा यूनिकॉर्न बन गई हैं । एक यूनिकार्न का मतलब साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा उसकी वर्थ है । आज हमने स्पेस सेक्टर भी खोल दिया है, 160 से ज्यादा स्पेस सेक्टर्स में स्टार्ट-अप हैं । एग्रीकल्चर के क्षेत्र में सात हजार से ज्यादा स्टार्ट-अप हैं । लेकिन इस सबके लिए पैसा कहां से मिलता, बैंकिंग क्षेत्र को पिछली सरकार ऐसा छोड़ कर गई थी, ऐसा लगता था कि देश के सारे बैंक बंद ही हो जाएंगे, चरमरा जाएंगे । बारह बैंक में से ग्यारह बैंकों की स्थिति घाटे वाली थी,

अधिकतर पीसीए फ्रेमवर्क में थे, लेकिन फोर आर स्ट्रेटजी ने देश में बदलाव किया, रिफार्म लाकर, रिजॉल्यूशन रिकवरी लाकर, रिक्गनिशन रिकैपिटलाइजेशन, इसकी वजह से आज क्या बदलाव हुआ है । आप कल्पना कीजिए, हमारे यहां पब्लिक सेक्टर बैंक का 36 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा आता था जो आज बढ़कर 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपये हो गया । जो एनपीए था, वह 15 प्रतिशत से कम होकर मात्र 3 प्रतिशत रह गया, अब यह और कम होने वाला है । हमारे बैंक और मजबूत होने वाले हैं । बैंकों की मार्केट कैपिटलाइजेशन जो 4 लाख 50 हजार करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 17 लाख करोड़ रुपये हो गई है, लगभग 4 गुना ज्यादा हो गई । इनके समय फोन बैंकिंग चलती थी, फोन होता था और बैंक वाले पैसा दे देते थे और वह पैसा लेकर विदेश भाग जाते थे । हम एनडीए में कमी लाये हैं, स्ट्रेट असेट्स में भी कमी लाये हैं । वर्ष 2014 में एजुकेशन लोन इंट्रेस्ट 14.25 प्रतिशत था, जो अब कम होकर 9 प्रतिशत रह गया है । होम लोन 10.15 प्रतिशत पर मिलता था, लेकिन आज 8.40 प्रतिशत पर मिलता है । ऑटो लोन 10.95 प्रतिशत था, आज 8.75 प्रतिशत रह गया है । पसर्नल लोन 14.25 प्रतिशत पर था, आज 11.5 प्रतिशत है । ये सारी चीजें हुईं, लेकिन फॉर्मूलाइजेशन ऑफ इंडियन इकोनॉमी किस आधार पर हुई है? इसके लिए डिजिटाइजेशन, इजी क्रेडिट और फार्मूलाइजिंग एम्पलॉयमेंट का बहुत बड़ा रोल रहा है । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जन धन, आधार, मोबाइल-जैम ट्रिनिटी ने बहुत बड़ी भूमिका निभायी है । हर व्यक्ति के पास आधार है, बैंक खाता है, मोबाइल का कनेक्शन है, दुनिया का सबसे सस्ता इंटरनेट कनेक्शन और डाटा प्लॉन कहीं है तो भारत में है । यही नहीं, जैम पोर्टल पर छोटे से छोटा व्यापारी भी अपना सामान बेच सकता है ।

मात्र पांच-छह वर्षों में कुछ हजार करोड़ रुपये से लेकर कई लाख करोड़ रुपये तक की खरीद जेम पोर्टल पर पूरी पारदर्शिता के साथ होती है, टेक्नोलॉजी के माध्यम से यह भी हुई । किसानों के लिए ई-नाम की सुविधा दी, टोल नाका के लिए फास्ट टैग बनाया, पहले 743 सेंकड टोल नाका पार करने में लगता था जो आज 47 सेंकड में टेक्नोलॉजी के माध्यम से होता है, यहां टेक्नोलॉजी का उपयोग हुआ है । जहां तक इजी क्रेडिट की बात करता हूं, मुद्रा योजना एक ऐसी योजना है जिसमें लगभग 43 लाख करोड़ मुद्रा लोन दिए गए और लगभग 34 लाख करोड़ रुपये देश के लोगों को मोदी जी की गारंटी पर मिला, उन लोगों ने अपने कामकाज की शुरूआत की है । आपके समय में बैंक खाता भी खोलना मुश्किल हो जाता था, दो लोगों को साथ लेकर जाना पड़ता था, आज 50 करोड़ से ज्यादा बैंक खाता लोगों के घर जाकर खुलवा दिए, यह सरकार आपके घर- द्वार, मोदी सरकार ने करके दिखाया है ।

माननीय सभापति जी, यही नहीं, एससी, एसटीज़ और वूमेन, तीनों के लिए ?स्टैंड अप इंडिया? योजना मोदी सरकार लाई, जिससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को एन्टरप्रियोनर बनने की सुविधा मिली । ?पीएम स्वनिधि? योजना में लगभग 70 लाख स्ट्रीट वैंडर्स को, रेहड़ी-पटरी वालों को बगैर किसी गारंटी के पैसा मिला । अगर उनको अपना व्यापार करने का अवसर मिला तो नरेन्द्र मोदी जी की एनडीए सरकार में मिला ।

माननीय सभापति जी, कहना आसान होता है, कोविड के समय जो मदद मिली, 10 हजार रुपये से शुरू की गई थी । जिन लोगों ने समय पर पैसा वापस किया, डिजिटल पेमेंट से वापस किया, उनका इंटरस्ट भी माफ हो गया । दस हजार रुपये के बजाय बीस हजार रुपये और बीस हजार से पचास हजार रुपये तक मिले । इससे उनका व्यापार भी बढ़ा और इनमें से कई लखपति भी बन गए । अब तो हम ग्रामीण क्षेत्र में भी स्वनिधि योजना लाने वाले हैं और इसे ग्रामीण क्षेत्र के रेहड़ी-पटरी वालों को इसका लाभ मिलेगा ।

हम नए लेबर लॉज़ लाए और इसके कारण फायदा मिला । ई-श्रम को हमने फार्मलाइज किया, कई लोग इन्फार्मल सैक्टर में काम करते थे, अब लगभग 30 करोड़ ई-श्रम कार्ड बन चुके हैं । ईपीएफओ में नई रजिस्ट्रेशन्स लगभग 7 करोड़ 40 लाख हैं जो वर्ष 2018 से वर्ष 2024 तक हुईं, इससे पता चलता है कि देश में रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं । डिजिटल इंडिया में अगर मैं ओटीटी प्लेटफार्म, कोविन एप, आरोग्य सेतु, ई-नाम से लेकर जेम पोर्टल, डिजिटल ओपीडी सर्विसिस या डिजिटल कोर्ट्स की बात कहूं तो आज हर क्षेत्र में डिजिटाइजेशन से बहुत फर्क पड़ा है । एक पूर्व वित्त मंत्री हैं, उन्होंने बड़ा मज़ाक उड़ाया था, उन्होंने कहा था - प्रधान मंत्री जी बताइए कि गांव में किसे इंटरनेट की सुविधा मिलेगी? क्या कोई साढ़े सात रुपये में टमाटर या आलू खरीद पाएगा? क्या इससे पैसों का लेनदेन हो पाएगा? मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि जो लोग सोचते थे कि संभव नहीं हो पाएगा, उस असंभव को संभव हमारी सरकार ने करके दिखाया है । आज ? भीम? यूपीआई से दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल पेमेंट्स होती हैं । 46 वेबसाइट डिजिटल पेंमेंट्स अगर कहीं होती है तो भारत में होती हैं । इससे रेहड़ी वाला भी पेमेंट करता है, चाय वाला भी पेमेंट करता है और पटरी वाला भी पेमेंट करता है । बड़े से बड़े व्यापारी से लेकर छोटे से छोटा व्यापारी भी पेमेंट करता है । 100 बिलियन से ज्यादा ट्रांजेक्शन्स होती हैं और 13 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा लेनदेन होता है ।

माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ये भारत को जहां रोकना चाहते थे, वहां भारत रुकने वाला नहीं है । अब मैं कैपिटल एक्सपेंडिचर की बात कहता हूं, यह दो साल पहले 7.5 लाख करोड़ रुपये था और पिछले साल 10 लाख करोड़ रुपये था, अब 11,11,111 करोड़ रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर है जो कि आज तक के इतिहास में सबसे ज्यादा है । मैं कुछ आंकड़े आपके सामने रखना चाहता हूं और आशा करता हूं कि सदन को इससे लाभ मिलेगा । वर्ष 2014 में 70 एयरपोर्ट्स थे अब 150 एयरपोर्ट्स हैं । वर्ष 2014 में 206 रूट थे और अब 609 रूट हैं । हम दुनिया की तीसरी बड़ी डोमेस्टिक एविशन मार्केट हैं । वर्ष 2014 में 96,000 किलोमीटर नेशनल हाईवेज़ थे अब डेढ़ लाख किलोमीटर नेशनल हाईवेज़ हैं । वर्ष 2014 में 3 लाख 20 हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कें थीं, आज लगभग 7 लाख किलोमीटर से ज्यादा ग्रामीण सड़कें हैं । वर्ष 2014 में 16 आईआईटीज़ थे, अब 23 आईआईटीज़ हैं । वर्ष 2014 में 13 आईआईएम थे अब 21 आईआईएम हैं । वर्ष 2014 में सात एम्स थे, अब 23 एम्स हैं । वर्ष 2014 में 9 ट्रिपल आईटी थीं, अब 25 ट्रिपल आईटी हैं । यही नहीं, उस समय 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब 706 मेडिकल कॉलेज हैं । तब 723 यूनिवर्सिटीज़ थीं अब 1017 यूनिवर्सिटीज़ हैं । तब 50,000 सीटें एमबीबीएस की थीं, अब एक लाख एक हजार से ज्यादा सीटें एमबीबीएस की हैं । ? (व्यवधान) तब लगभग 31,000 पोस्ट ग्रेजुएशन की सीटें थीं अब लगभग 65,000 सीटें हैं । ? (व्यवधान) उस समय और अब के समय में बहुत अंतर है । ? (व्यवधान)

<u>11.49 hrs</u> (Hon. Speaker *in the Chair*)

उस समय 350 स्टार्टअप थे, अब 1 लाख स्टार्टअप हैं । उस समय चार यूनिकॉर्न थे, अब 107 यूनिकॉर्न हैं । तब बैंकों का प्राफिट 36,000 करोड़ रुपये थे अब 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपये है । तब एनपीए 15 परसेंट था, अब तीन परसेंट है । तब बैंकों का मार्केट कैप 4 लाख करोड़ रुपये था आज 17 लाख करोड़ रुपये है । अब कैपिटल एक्सपेंडिचर कई गुना ज्यादा बढ़ गया है ।

मरीन एक्सपोर्ट की बात करूं, तो उस समय 5 बिलियन डॉलर था, आज 8.9 बिलियन डॉलर हो गया है । इलेक्ट्रॉनिक्स का एक्सपोर्ट 6 बिलियन डॉलर था, जो आज चार गुना ज्यादा, यानी 24 बिलियन डॉलर हो गया है । ट्वाय एक्सपोर्ट उस समय 98 मिलियन था, आज 326 मिलियन यानी 3 गुना से ज्यादा हो गया है । फॉरेस्ट

रिजर्व 320 बिलियन डॉलर से बढ़कर 650 बिलियन डॉलर हो गया । एक्सपोर्ट 470 बिलियन डॉलर से बढ़कर 770 बिलियन डॉलर हो गया । हमारा ग्रॉस टैक्स कलेक्शन रेवेन्यू मात्र 11 लाख करोड़ था, जो आज 33 लाख करोड़ हो गया है । लोगों ने ईमानदारी के साथ टैक्स जमा कराना शुरू कर दिया । उस समय दो मेगा फूड पार्क थे, आज 200 मेगा फूड पार्क हैं । आपके समय 2 करोड़ आवास बने, हमारे समय में 4 करोड़ आवास बने । आपके समय तक 70 सालों में 3 करोड़ घरों में नल से जल था, आज 14 करोड़ घरों में नल से जल है । आपके समय हम मोबाइल फोन के सेकेंड लार्जेस्ट इम्पोर्टर थे, आज हम सेकेंड लार्जेस्ट मैनुफैक्चरर बन गए हैं ।

भाइयों और बहनों, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि उस समय हमारी जीडीपी 1.8 ट्रिलियन थी, आज 3.8 ट्रिलियन पार कर गई है । ऐसे अनेक उदाहरण मैं आपको बताना चाहता हूं । मेरे पास बहुत सारे अन्य आंकड़े हैं, जो थोड़ी देर बाद सुना दूंगा । मैं इतना जरूर कहूंगा कि आज जहां एक ओर सड़कें बन रही हैं, रेलवे बन रहे हैं, हवाई पट्टियां बन रही हैं, वहीं बुलेट ट्रेन से लेकर वंदे भारत, जो आपके समय एक नहीं थी, आज लगभग 100 वंदे भारत ट्रेनें अलग-अलग रूटों पर देश में चल रही हैं । ? (व्यवधान)

साथियों, नैचुरल गैस पाइप लाइन आज 23 हजार किलोमीटर से ज्यादा बिछ गई है । 12 हजार किलोमीटर से ज्यादा भारतमाला परियोजना में प्रोजेक्ट्स बन गए हैं । आपके समय 12 किलोमीटर नैशनल हाईवे एक दिन में बनता था, जबकि आज हम एक दिन में 30 किलोमीटर नैशनल हाईवे बनाते हैं । आपके समय ग्रामीण सड़कें 30 किलोमीटर एक दिन में बनती थीं, जबकि आज 91 किलोमीटर एक दिन में बनती हैं । क्या कम्पैरिजन किया जाए? अगर आपकी रफ्तार से देश आगे बढ़ता, तो आज वहीं का वहीं खड़ा रहता । आपने 10 साल सरकार चलाई, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था 11 वें नंबर पर ही खड़ी रही, जबकि हमने 5 वें नंबर पर पहुंचाने का काम किया । हमने कॉरपोरेट टैक्स रेट को कम करके 15 प्रतिशत किया । यही नहीं, कोविड के समय जब लोगों को अपना व्यापार करने के लिए पैसा चाहिए था, तो इंकम टैक्स का रिफंड रिकॉर्ड समय में जनता को वापस करने का निर्णय प्रधान मंत्री मोदी जी ने किया । आपके समय में डेढ़-डेढ़ साल तक रिफंड नहीं आता था, अब रिकॉर्ड समय के भीतर आता है । यही नहीं, हमने बैंकों से लगभग 4 लाख करोड़ रुपये इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के माध्यम से दिया । ? (व्यवधान) साथ ही 20 परसेंट एडिशनल वर्किंग कैपिटल मारन जी, आप जैसी कई कंपनियों को दिया, तो भारत सरकार ने बगैर किसी गारंटी के दिया, जो किसी सरकार ने नहीं दिया था । यही नहीं, पीएलआई स्कीम में 8 लाख करोड़ रुपये के इंक्रीमेंटल शेयर्स देखने को मिलते हैं । हमारी सरकार में विकास तो हुआ ही, विकास भी और विरासत भी हमारी सरकार की पहचान है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** एक मिनट, माननीय सदस्यगण, आप बैठे-बैठे कमेंट्स न करें । सीनियर लीडर मारन जी को तो बैठे-बैठे कमेंट्स करने की आदत पड़ गई है । राष्ट्रपति जी का अभिभाषण हो, तो भी कमेंट करते हैं । नो, यह गलत है ।

? (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** धन्यवाद अध्यक्ष जी, चूंकि मैंने विकास और विरासत की बात की, तो दयानिधि मारन जी का चिल्लाना सही था, क्योंकि इनके नेता वहां बैठे-बैठे कहते हैं कि सनातन धर्म बीमारी की तरह है, इसको जड़ से मिटाना है । इनके नेताओं ने वहां पर कहा है । आपको शर्म आनी चाहिए और इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए । अगर ये चाहते हैं कि मेरा भाषण इस दिशा में जाए, तो मुझे कहने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इन्होंने जो शब्द कहे और सनातन धर्म को नीचा दिखाने का प्रयास किया और सनातन धर्म को आपने एक एचआईवी के साथ जोड़ने का काम किया । ? (व्यवधान) इनकी पार्टी के नेताओं ने जो कहा, वह मंजूर नहीं

है । मुगल आए, आकर चले गए, अंग्रेज आए, आकर चले गए, लेकिन सनातन था, सनातन है और सनातन रहेगा । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** उन्होंने क्या बोला? सनातन रहेगा, यही बोला न? क्या आपको सनातन रहने पर आपत्ति है?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** अध्यक्ष महोदय, हम सबके जीवन में और हमारी पूर्व की पीढ़ियों के जीवन में 500 साल तक जो समय नहीं आया, हम सौभाग्यशाली हैं कि हम कोविड से भी बच गए और जो 500 साल में किसी को अवसर नहीं मिला, वह हमारी आँखों के सामने भव्य और दिव्य राम मंदिर का निर्माण भी हुआ । ? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मुझे इसी बात की पीड़ा है । ये सनातन धर्म को कुचलने की बात करते हैं, जड़ से मिटाने की बात करते हैं । राम मंदिर के प्रसारण पर रोक भी किसी सरकार ने लगाई तो किस सरकार ने लगाई? क्यों रोक लगाई थी? हमें सुप्रीम कोर्ट से निर्णय लेना पड़ा । क्यों राम का विरोध करते हैं? ? (व्यवधान) कुछ वैसे बैठे हैं, जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलाईं, कुछ वे हैं, जिन्होंने राम मंदिर को टेंट में रखा और कुछ वे हैं, जिन्होंने राम मंदिर के प्रसारण पर रोक लगाई । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, जब मैं बात करता हूं ?विकास भी, विरासत की भी? तो हमने यही नहीं, हमने सोमनाथ धाम बनाया, काशी विश्वनाथ धाम बनाया, दिव्य और भव्य केदारनाथ धाम बनाया, महाकाल लोक धाम बनाया और दिव्य और भव्य राम मंदिर भी बनाया है । ? (व्यवधान) हमने बौद्ध सर्किट भी बनाया । करतारपुर कॉरिडोर, करतारपुर का लांघा भी खुलवाया, जो कोई नहीं करवा पाया । पंडित नेहरू की गलती थी, जिन्होंने आजादी के समय, पार्टिशन के समय हमारा करतारपुर का गुरुद्वारा भी उस तरफ छोड़ दिया । लोग दूरबीन लगाकर दर्शन करते थे । नरेंद्र मोदी जी की सरकार में हमारी सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर खुलवाया और हेमकुंट साहिब में रोपवे बनाने का भी काम हमारी सरकार कर रही है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने 550 वां प्रकाश उत्सव गुरुनानक देव जी का मनाया, 400 वां प्रकाश उत्सव गुरु तेग बहादुर जी का और 350 वां प्रकाश उत्सव गुरु गोविन्द सिंह जी का हमारी सरकार ने मनाया है । ? (व्यवधान) यही नहीं अगर साहिबजादों की शहादत पर पूरे देश ने वीर बाल दिवस के रूप में मनाया तो वह भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मनाया गया । आपके समय तो ब्लू स्टार ऑपरेशन हुआ था । हरमंदिर साहिब में क्या-क्या हुआ? वर्ष 1984 के दंगे, वर्ष 1984 के दंगे को देश भुला नहीं है । सिखों का कत्लेआम कांग्रेस की सरकार के समय ही हुआ था ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी को पंजाब में समर्थन मिला है । पंजाब की जनता ने हमारा वोट शेयर तीन गुना ज्यादा बढ़ाया है । ? (व्यवधान) मैं इन लोगों से ज्यादा अपेक्षा रखता भी नहीं । इन्होंने इस चुनाव में भय और भ्रम की राजनीति की है । यहां तक कि इन्होंने वे लोग जो प्रधानमंत्री जी के बारे में कहते थे कि ?बोटी-बोटी नोच लेंगे?, इन्होंने उनको भी टिकट देकर सांसद बनाने का काम किया ।? (व्यवधान) मैं पूछता हूं साहब, क्या कहा? किसको टिकट दिया? टुकड़े-टुकड़े की सोच वाले, टुकड़े-टुकड़े गैंग वालों को कांग्रस में शामिल किया गया और फिर उनको टिकट देने का भी काम किया । ? (व्यवधान) जो अफजल गुरु की फांसी माफ कराने की बात करते हैं, उनको भी दिया । ?(व्यवधान)

12.00 hrs

जो भारत का नामो-निशान मिटाने की बात करते हैं, मेरा सवाल यह है कि उनको कांग्रेस पार्टी ने टिकट क्यों दिया? मैं इस सभा पटल से यह सवाल पूछता हूं कि ऐसी कौन-सी मज़बूरी थी कि राहुल गांधी जी को प्रतिबंधित?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, सभा पटल से नहीं, बल्कि सभा पटल के माध्यम से सवाल पूछिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, इसमें करेक्शन कर लें कि सभा पटल से नहीं, बल्कि सभा पटल के माध्यम से सवाल पूछिए ।

? (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** अध्यक्ष जी, मैं क्षमा चाहता हूं ।?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** उन्होंने करेक्ट कर लिया है ।

? (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से दोबारा यही बात कहना चाहूंगा । मैं आपका संरक्षण चाहता हूं । अगर मेरी बात में सत्य न हो, तो कोई भी खड़ा होकर मुझे टोक सकता है ।?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप क्यों ऐसा कह रहे हैं कि आपको कोई टोक सकता है? क्या आपको अधिकार दिया गया है? कोई नहीं टोकेगा, सबको अपनी बात कहने का मौका मिलेगा ।

? (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । अगर ऐसे ही आपका संरक्षण मिलता रहेगा, तो धन्यवाद प्रस्ताव पर अच्छी चर्चा हो जाएगी ।

अध्यक्ष जी, सवाल यह खड़ा होता है कि हम जिस सदन में बैठे हैं, यह घटना पुराने सदन की है । क्या देश का कोई भी व्यक्ति संसद पर हमला होते हुए देखना चाहेगा? क्या आपमें से ऐसा कोई चाहेगा? जो उस हमले में शामिल थे, क्या उनको कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिलनी चाहिए या मिलनी चाहिए? अगर देश के न्यायालय ने उनको कड़ी से कड़ी सजा दी, फांसी की सजा दी, तो उनको बचाने के लिए जो सड़कों पर उतरे, आप उनका समर्थन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं??(व्यवधान) आप उनको बचाने के लिए सड़कों पर उतर गए । अरे, भारत की 140 करोड़ की आबादी में से कोई और नहीं मिला? इनकी क्या मज़बूरी थी? आपने जहां से चुनाव लड़ा, वहां से किसी और को नहीं, बल्कि पीएफआई और मुस्लिम लीग जैसी संस्थाओं का समर्थन लेकर भी कुछ लोग यहां चुनकर आए हैं । देश जवाब मांगता है कि ऐसी कौन-सी मज़बूरी थी??(व्यवधान) अरे, इनका इतिहास ऐसा ही रहा है ।?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, चुनाव के समय बहुत सारी बातें हुई थीं । महामहिम राष्ट्रपति महोदया जी ने भी संविधान का उल्लेख किया है । मैं वहां पर भी आऊंगा, लेकिन मैं उससे पहले कुछ और कहना चाहता हूं । इनका दर्द सामने नज़र आ रहा है ।?(व्यवधान) जो तीन बार प्रयास करने के बाद भी 100 तक के आंकड़े तक नहीं पहुंच

पाए, 99 पर ही रुक गए, वे तो यही कहते हैं कि ?दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, इतनी नौटंकियों के बाद भी 99 पर ही अटक कर रह गए ।??(व्यवधान) ?दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, तीसरी बार भी विपक्ष में आकर बैठक गए ।?

माननीय अध्यक्ष जी, they were in the nervous nineties. ? (*Interruptions*) नर्वस नाइन्टीज़ में आकर इनके हाथ-पैर फूलने शुरू हो गए । मैं एक और बात कहना चाहता हूं । एक बात तो अच्छी हुई है कि माननीय राहुल गांधी जी नेता प्रतिपक्ष बने हैं । मैं अपनी ओर से राहुल गांधी जी को नेता प्रतिपक्ष बनने पर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं । राहुल गांधी जी का नेता प्रतिपक्ष बनना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले दो दशकों में वह पावर विदाउट रिस्पांसिबिलिटी एंजॉय कर रहे थे । ये मजा लेते थे ।?(व्यवधान) अब इनको पावर के साथ-साथ रिस्पांसिबिलिटी भी लेनी पड़ेगी । इसलिए जो मोदी जी के लिए कहते हैं कि मोदी जी की तीसरी टर्म अग्निपरीक्षा है, यह तीसरी टर्म मोदी जी की अग्निपरीक्षा नहीं है, ये अग्निपरीक्षा विपक्ष की है, विपक्ष के नेता की है । क्या वह विपक्ष को एकजुट रख पाएंगे?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, जिनको लोक सभा बंक करने की आदत थी, उनकी 50 प्रतिशत से कम हाजिरी थी, क्या वे सारा दिन लोक सभा में बैठ पाएंगे??(व्यवधान) अच्छा नहीं हैं, ओ-हो, वे आज भी नहीं हैं । क्या वे लोक सभा में बैठ पाएंगे? देर शाम तक बैठना पड़ेगा । जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री जी इस पार्लियामेंट हाउस में बैठते हैं, अब अनुपस्थित जमींदारी नहीं चलेगी । Absentee landlordism would not work. ? (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Hon. Speaker, Sir, there is a Point of Order. ? (*Interruptions*)

श्री अनुराग सिह ठाकुर **:** माननीय अध्यक्ष जी, एक ओर देश ने देखा है कि कैसे हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत के कारण, जिसे दुनिया का कोई देश नहीं कर पाया, उस चन्द्रयान मिशन की सफलता को करके दिखाया है । चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तिरंगे का मान-सम्मान बढ़ाने वाला देश हमारा भारत दुनिया का पहला देश बना है ।? (व्यवधान)

SEVERAL HON. MEMBERS: There is a Point of Order. ? (*Interruptions*)

श्री अनुराग सिह ठाकुर **:** माननीय अध्यक्ष जी, एक ओर चन्द्रयान मिशन की सफलता, आदित्य एल-1 सोलर की सफलता तो क्या दूसरी ओर राहुलयान फिर एक बार फेल हो गया है? कांग्रेस और इनका इको सिस्टम कुतर्कों के सहारे राहुलयान को सफल करने की बात करता है । ? (व्यवधान) मैं पूछता हूं कि ये चार जून से दिखाने में लगे हैं कि 99 का आंकड़ा 240 से ज्यादा बड़ा होता है । क्या 99 का आंकड़ा 240 से ज्यादा बड़ा होता है? कांग्रेस की इस बार 99 सीटें आई हैं । अब एक सीट को छोड़कर 98 रह गई हैं ।? (व्यवधान) अपने आप में इन्होंने तीसरी बार विपक्ष में रहने का रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन इनका घमण्ड, अहंकार और तानाशाही सोच आज भी बरकरार है । यह मानसिकता है । जब कांग्रेस का पार्टी मोड खत्म हो जाए तो इस पर आत्मनिर्भर और मंथन जरूर करना चाहिए । मैं देश के सामने एक आंकड़ा रखना चाहता हूं ।? (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN : Hon. Speaker, Sir, there is a Point of Order.

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज, अपनी-अपनी सीट्स पर बैठिए ।

? (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN : Sir, there is a Point of Order under Rule 352 ? Rules to be observed while speaking. A member while speaking shall not refer to any matter of fact on which a judicial decision is pending; make personal reference by way of making?

HON. SPEAKER: Rule 352. Okay.

? (*Interruptions*)

SHRI DAYANIDHI MARAN: Hon. Speaker, Sir, please expunge. ? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या आप लोग रूल 352 के अनुसार बोलेंगे? सदन में आप सब तय कर लीजिए कि रूल 352 के तहत बोलेंगे तो मैं सदन रूल 352 के तहत चला दूंगा ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई (जोरहाट) : सर, आप नाराज मत हों ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैं नाराज नहीं हो रहा हूं । मैं नाराज नहीं होता हूं । मुझे माननीय सदस्य रूल बता रहे हैं, रूल की किताब बता रहे हैं तो मैं भी चाहता हूं कि रूल की किताब से चलें ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या रूल 352 के अनुसार सदन चलेगा? अगर आप चलाना चाहते हैं तो बताइए?

? (व्यवधान)

श्री बी**.** मणिक्कम टैगोर **(**विरूधुनगर**) :** सर, बात तो सुनिए । वह कुछ बोलना चाहते हैं । ? (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN: I have raised a Point of Order ? (*Interruptions*)

श्री बी**.** मणिक्कम टैगोर **:** सर, माइक बंद हो जाता है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** नीट का विषय भी अदालत में चल रहा था, तो फिर आप उसे क्यों उठा रहे थे?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** नहीं, यह गलत है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, क्या नीट का विषय सुप्रीम कोर्ट में नहीं चल रहा है? आप उसे क्यों उठा रहे थे?

? (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** माननीय अध्यक्ष जी, मैं कह रहा था कि ये प्रयास कर रहे थे कि 99 सीटें 240 सीटों से ज्यादा होती हैं । इनका आंकड़ा इनको मुबारक हो, लेकिन मैं एक बात देश के सामने और आपके माध्यम से सदन को जरूर बताना चाहता हूं कि कांग्रेस मात्र 328 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जबकि ये हमारे ऊपर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं । ? (व्यवधान) जब राष्ट्रपति के अभिभाषण में आया कि स्थिर और स्पष्ट बहुमत मिला है तो इन्होंने बहुत हल्ला किया । मैं पूछता हूं कि जब वर्ष 2004 में आपकी सरकार बनी, वर्ष 2009 में आपकी सरकार बनी तो क्या आपको 240 सीटें भी मिल पाई थीं? आप उनके आस-पास भी नहीं थे । आपको 145 सीटें मिली थीं । मुझे जितना मजबूर करोगे, कांग्रेस की उतनी परतें खुलती जाएंगी ।

माननीय अध्यक्ष जी, ये मात्र 60 परसेंट सीटों पर लड़े थे । देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल मात्र 60 परसेंट 328 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से भी 70 परसेंट सीटों पर कांग्रेस हार गई, जनता ने इनको नकार दिया है । इन 328 सीटों में से 229 सीटों पर कांग्रेस की हार हुई है और जनता ने आपको नकार दिया है । जनता ने आपको नकार दिया है । एक तो लड़े ही 60 परसेंट सीटों पर और उसके बाद भी 70 परसेंट सीटों पर हार गए । यही नहीं सर, जब कोई पार्टी अपना स्टेंडर्ड इतना लो सेट कर लेती है और बिलो-एवरेज परफोर्मेंस आती है तो उसको वह भी ओवरवेल्मिंग लगता है । लेकिन, मैं अपने कांग्रेस के मित्रों से कहना चाहता हूं कि आप कुछ भी पालो, लेकिन गलतफहमी मत पालो । अगर आपको यह चार्ट देखना है तो मैं इस चार्ट को सभा पटल पर रख सकता हूं । कांग्रेस की कितनी सीटें कब-कब आयीं? यह चार्ट बहुत कुछ दिखाता है । इस चार्ट में यह दिखता है कि यूपीए की जब पहली सरकार थी तो कांग्रेस की मात्र 145 सीटें आयी थीं । उस समय भारतीय जनता पार्टी की 138 सीटें आयी थीं । सात सीटों का फर्क था । आप में और हमारे में सिर्फ सात सीट का अंतर था और सरकार आपने बनायी । हमने तो कुछ नहीं कहा । आपने पांच साल सरकार चलायी । आपका उस समय का वोट शेयर मात्र 26.53 प्रतिशत था । वर्ष 2009 में यूपीए की सरकार फिर आयी । आपकी 206 सीटें आयीं । आपके लिए वह स्थिर सरकार थी । आपके लिए वह कांग्रेस की सरकार थी, स्थिर सरकार थी । लेकिन, नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 282 सीटें जीतीं । वर्ष 2014 में पूर्ण बहुमत की सरकार अगर किसी ने बनायी तो भारतीय जनता पार्टी, एनडीए ने सरकार बनायी । वर्ष 2019 में 303 सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीतीं और हमारा वोट शेयर भी पहले से ज्यादा बढ़ा ।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि वर्ष 2014 में 31 परसेंट वोट शेयर भारतीय जनता पार्टी का था और 37.36 परसेंट वोट शेयर वर्ष 2019 में था । कांग्रेस का वोट शेयर मात्र 19.39 परसेंट था । इस बार भी हमारा वोट शेयर 36.56 प्रतिशत है और 240 सीटें जीतकर गठबंधन को पूर्ण और स्पष्ट बहुमत मिला है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इनको इतनी तो शर्म आनी चाहिए, इतनी तो शर्म आनी चाहिए कि इन्होंने वर्ष 2014 में 44 सीटें, वर्ष 2019 में 52 सीटें और इस बार 98 या 99 जो गिनना है, गिन लें । ये तीन बार की सीटें जोड़कर भी 240 से कम हैं । ये हमारे सामने कहीं खड़े नहीं होते हैं ।? (व्यवधान) क्या आपका और सुनना रहता है? क्या आपको और सुनना है? मैं सदन को और बताना चाहता हूं कि जितनी पूरे विपक्ष की सीटें हैं, उससे ज्यादा अकेली भारतीय जनता पार्टी की सीटें हैं ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, जब ये भारतीय जनता पार्टी का या मोदी जी का मुकाबला दो चुनावों में नहीं कर पाए तो क्या बनाया? एक ऐसा गठबंधन बनाया जो जेल वाले और बेल वाले ने मिलकर बनाया । कुछ जेल में थे, कुछ बेल पर थे । कुछ यहां पर भी बेल वाले हैं ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इतना ही नहीं, इनकी पूर्व की सरकारों में कितने ही घोटाले हुए । 2 जी घोटाला, कॉमनवैल्थ गेम्स घोटाला, कोयला घोटाला, अंतरिक्ष घोटाला, देवास घोटाला, सबमरीन घोटाला और घोटाले पर घोटाला हुआ ।? (व्यवधान) अगुस्टा वेस्टलैंड घोटाला हो, नेशनल हेराल्ड घोटाला हो ।? (व्यवधान) घोटालों की कोई कमी नहीं छोड़ी ।? (व्यवधान) इन्होंने अपने सहयोगी भी चुने तो शराब घोटाले वाले चुने, जमीन घोटाले वाले चुने, रिवर फ्रंट घोटाले वाले चुने ।? (व्यवधान) और तो और, वे सब चुने जो जेल में थे या बेल पर थे । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इनकी एक पार्टी तो ऐसी है, जिसका शिक्षक भर्ती घोटाला हो, पोंजी स्कीम का घोटाला हो, चिट फंड घोटाला हो, वह भी साथ में ही है । जहां पेंटिंग भी तीन-तीन करोड़ रुपये में बिक जाती है ।? (व्यवधान) एक ऐसा नेता है जो अपने आपको दुनिया का सबसे ईमानदार नेता बताता था ।? (व्यवधान) वह इतना ईमानदार नेता निकला कि वह आज जेल में है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने वर्क फ्रॉम होम तो सुना था, लेकिन इन लोगों ने हमें वर्क फ्रॉम जेल देखने का अवसर भी दिया कि जेल से सरकार कैसे चलती है ।? (व्यवधान) अपने आप को सबसे ईमानदार बताने वाला आज कट्टर बेईमान कोई है तो वह आज जेल में है और जो जेल से निकलकर आए थे जैसे लंच ब्रेक लेकर चुनाव प्रचार करने के लिए आए थे, वे बैक टू तिहाड़ चले गए हैं ।? (व्यवधान) खैर, इनके गठबंधन की दुर्गति देखकर मुझे एक गीत याद आता है :- ?सोचता हूँ कि वे कितने मासूम थे, क्या से क्या हो गए देखते-देखते, वे जो कहते थे गठबंधन करेंगे न कभी, बच्चों की कसम भी खा गए भूलकर देखते-देखते? ।

गठबंधन भी किया तो एक राज्य में किया और दूसरे राज्य में नहीं किया । आज दिल्ली में, जहां पर मैं खड़ा हूँ, आप वहीं की हालत देख लीजिए । चोर-चोर मौसेरा भाई, सबने मिलकर गठबंधन की गुहार लगाई, लेकिन दिल्ली की जनता ने खाता भी नहीं खुलने दिया । उन्होंने सातों की सातों सीटों पर कमल का फूल खिलाने का काम किया है ।

माननीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में यह कैसी सरकार है, जिसका शिक्षा मंत्री (शराब मंत्री) जेल में है, जिसका जल मंत्री जेल में है, जिसका कानून मंत्री फर्जी एम.ए., एल.एल.बी. की डिग्री लिए हुए हैं और वह भी जेल में है, उसको इस्तीफा भी देना पड़ा है ।? (व्यवधान) आपकी नहीं, मैं दिल्ली की बात कर रहा हूँ । आपकी बात मैं बाद में करूंगा ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे लगता था कि जिस तरह से तमिलनाडु में 60 के लगभग लोगों की मौत नकली शराब के कारण हुई है तो आपको तो खड़े होकर बोलना भी नहीं चाहिए ।? (व्यवधान) मैं समझ सकता हूँ कि जो बार-बार खड़े हो रहे हैं, 2 जी घोटाले के समय किस-किस पर आरोप लगे थे । मैं नहीं चाहता कि मैं उनका नाम यहां पर लूँ ।? (व्यवधान) जब इनको लगा कि घोटाले वालों का सारा गठबंधन इकट्ठा करने के बाद भी, भ्रष्टाचारियों का कुनबा इकट्ठा करने के बाद भी हमें टक्कर नहीं दे पाएंगे तो भय, भ्रम और अफवाहें फैलाने की राजनीति की गई । इस चुनाव में क्या-क्या नहीं हुआ? राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में जिस ओर इशारा आता था, चाहे टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग हो, चाहे अफवाहें फैलाने की बात हो, ये आज के नहीं, बल्कि इनके बार-बार के प्रयास

हैं और विदेशी ताकतों का हाथ भी इस चुनाव में देखा गया है । ये ईवीएम पर भी आरोप लगाते गए और बाकी बूथ कैप्चरिंग की बात पर तो मैं अभी बाद में आऊँगा ।

माननीय अध्यक्ष जी, दुख इस बात का है कि इनके कुछ नेताओं ने हम हिन्दुस्तान के लोगों पर नस्लभेदी टिप्पणियां की हैं । सैम पित्रोदा के जहरीले बोल, जो किसी के अंकल, फ्रैंड, फिलोसोफर और गाइड हैं ।?(व्यवधान) सैम पित्रोदा के बयान के बारे में मैं राहुल गांधी जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या सैम पित्रोदा का यह बयान और कांग्रेस की सोच एक है? अगर ऐसा नहीं है तो कौन सी मजबूरी है कि अंकल सैम को पार्टी में लेना वापस जरूरी था? मैं केवल कांग्रेस से ही नहीं, बल्कि राहुल गांधी जी, जो नेता प्रतिपक्ष हैं, उनसे भी पूछना चाहता हूँ । उनको जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी । राहुल गांधी जी को जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी, क्या वे सैम पित्रोदा के बयान से सहमत हैं या नहीं हैं? यह नस्लभेदी टिप्पणी भारत के लोगों को स्वीकार नहीं है । मैं दक्षिण भारत, उत्तर भारत, पूर्व भारत और पश्चिम भारत के लोगों से कहना चाहता हूँ कि नस्लभेदी टिप्पणी हमें स्वीकार नहीं है । यह भारत के लोगों का अपमान है । इसे हम कभी स्वीकार नहीं करेंगे ।

मैं विपक्ष के नेताओं से पूछना चाहता हूँ, चाहे अखिलेश जी हैं, दयानिधि मारन जी हैं, राजा जी हैं, सुप्रिया जी हैं, सुदीप दा हैं और बाकी सब लोग हैं, क्या आप सैम पित्रोदा के बयान से और कांग्रेस की सोच से सहमत हैं? ये यहीं पर ही नहीं रुके, इनके वे साथी भी चुनकर आए, जिन्होंने इस पवित्र स्थल पर जय ? का नारा लगाया है । यह ? का नारा मंजूर नहीं है ।?(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, क्या यही दिन देखना था । अरे! जो मां भारती के लिए न बोल सकें, ?भारत माता की जय? करने में जिनके मुंह में दही जम जाता हो, ओंठ सिल जाते हों, वे ? के नारे लगाएंगे? क्या हम उस दिशा में बढ़ रहे हैं, कभी ये लोग जय पाकिस्तान, जय चीन भी बोलेंगे? अध्यक्ष जी, यह दुर्भाग्य है ।

मैं एक और बात कहना चाहता हूं कि ये संविधान को बार-बार हाथ में लहरा कर क्या करना चाहते हैं? अगर नेता प्रतिपक्ष अपने-आपको संविधान के रक्षक कहते हैं तो मैं चुनौती देता हूं कि वे सदन में आएं और आश्वासन दें कि इमरजेंसी जैसी गलती कांग्रेस वापस कभी नहीं करेगी, आपको देश को कहना पड़ेगा । मैं कहता हूं कि जब इमरजेंसी पर प्रस्ताव आया, तो क्या आप उस प्रस्ताव पर सहमत हैं और जो उसमें शामिल होंगे, उनका समर्थन करेंगे? यही नहीं आपको देश से माफी भी मांगनी चाहिए ।

12.21 hrs

(Shri Dilip Saikia *in the Chair*)

-

सभापति महोदय, Samvidhan is being tossed around like the word ?secularism? was, devaluating and demeaning it, that too by a party which has forever been acting against the ethos of both the words. इन्होंने पहले कभी धर्म निरपेक्ष शब्द का और कभी संविधान का दुरुपयोग ही किया है और वह भी अपने लिए किया है । सच्चाई यह है कि जिन्होंने देश को संविधान दिया, वे बाबा साहेब अम्बेडकर को अपमानित, प्रताड़ित, पीड़ित और पॉलिटिक्स से बाहर करने का काम किया, तो वह आप लोगों ने ही किया था ।?(व्यवधान) गौरव जी, आपको दर्द होगा ।?(व्यवधान) गौरव जी, कांग्रेस को दर्द होगा, क्योंकि आप लोगों ने ही बाबा साहेब अम्बेडकर के खिलाफ जो रचा, वह देश जानता है ।?(व्यवधान) इतिहास

गवाह है ।?(व्यवधान) दूसरी ओर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब शपथ ली तो उसके बाद संविधान के आगे माथा टेका, तब भी और इस बार भी संविधान को नमन किया एवं संविधान के अनुसार देश चलाने की बात की ।?(व्यवधान)

मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम पर पंचतीर्थ किसी ने बनाया, तो भारतीय जनता पार्टी, एनडीए की सरकार ने वह बनाया है । बाबा साहेब अम्बेडकर की जन्मस्थली, शिक्षास्थली, चैत्य भूमि, शिक्षा भूमि और महापरिनिर्वाण भूमि, पांचों स्थानों पर ? नागपुर, मऊ, मुंबई, दिल्ली और लंदन में जमीन लेकर वहां पर म्यूजियम, स्मारक एवं उनको मान-सम्मान देने का काम किया है । नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पंचतीर्थ बनाया है ।

मैं सबसे एक और बात पूछना चाहता हूं कि संविधान में कितने पन्ने होते हैं??(व्यवधान) ऐसे मोटा करके मत बताओ, पेज कितने होते हैं??(व्यवधान) आप वह रोज लेकर घूमते थे, कभी उसे खोल कर पढ़ें तो सही । ?(व्यवधान) आप संविधान नहीं पढ़ते हैं, लहराते फिरते हैं ।?(व्यवधान) आप जेब से निकालो और देखो ।?(व्यवधान) उसे जेब से निकालो ।?(व्यवधान) आप नकल ही मार लो ।?(व्यवधान) आप बताओ कि संविधान में कितने पन्ने होते हैं ।?(व्यवधान) अरे! बड़ा संविधान-संविधान करते थे ।?(व्यवधान) पहले संविधान बनाने वाले को अपमानित और प्रताड़ित करते हैं । ?(व्यवधान) अब संविधान दिखाते हैं, लेकिन पढ़ते नहीं हैं ।?(व्यवधान) संविधान को किसी ने कुचला??(व्यवधान)

माननीय सभापति जी, अगर संविधान को किसी ने तार-तार किया था, संविधान को किसी ने कुचलने का काम किया था, तो वह भी आपने इमरजेंसी लगा कर किया था । आपको देश माफ नहीं करेगा ।?(व्यवधान) भाईसाइब, संविधान में 251 पन्ने होते हैं, खोल कर देख लीजिए ।?(व्यवधान)

माननीय सभापति जी, एक कहावत है ।?(व्यवधान) दादा आपको क्यों दर्द हो रहा है? उन्होंने इमरेजेंसी लगाई थी । आप ऐसे ही उड़ता तीर ले रहे हैं । ?(व्यवधान) सभापति जी, मैं कांग्रेस की बात कर रहा हूं । तृणमूल कांग्रेस बीच में आ गई है ।?(व्यवधान) अब सच्चाई तो यह है कि जो कभी कांग्रेस के नेता सदन थे, सच्चे तृणमूल कांग्रेस वाले कांग्रेस के लिए आज बोलते हैं, कांग्रेस अपने नेता सदन अधीर रंजन चौधरी के लिए खड़ी नहीं हुई । वहां एक सभा करने भी इनके नेता नहीं गए और ममता जी के आगे बेचारे को?(व्यवधान) कांग्रेस अपने नेता के साथ खड़ी नहीं हो पाई । ऐसी कौन-सी मजबूरी थी कि कांग्रेस को बंगाल में घुटने टेकना जरूरी था??(व्यवधान) मारन जी को दर्द हो रहा है । मैं कांग्रेस के बारे में इतना ही कहूंगा । यह तो संविधान की बात आपके मुंह से ऐसी लगती है कि सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली । अगर मैं कांग्रेसीकरण करने की बात करूं, जैसा ये हर योजना का करते हैं, अगर इसको मैं कांग्रेसीकरण करके कहूं तो सौ संशोधन करके कांग्रेस संविधान बचाने को चली ।

माननीय सभापति जी, जिस पार्टी की बुनियाद ही संविधान की हत्या से और इसके खून से बनी हो, वह पार्टी आज संविधान बचाने की बात करे तो गले नहीं उतरती है । यह तो वही बात हो गई कि अपने घर में नकली फूल रखने वाले बगीचों का शौक होने की बात कर रहे हैं । आप पर यह बिल्कुल जाता है । मैं आपको याद करवाना चाहता हूं, आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं । केन्द्र में कांग्रेस की सरकारों ने आज तक धारा 356 का कितना दुरुपयोग किया है । इसका दुरुपयोग करते हुए 93 बार राज्यों में विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने का काम अगर किसी ने किया तो कांग्रेस ने किया । इनका अहंकार और तानाशाही इतनी थी कि ?

Indira is India and India is Indira? इस तरह के नारे लगाते थे । इंदिरा गांधी, जिन्होंने देश पर आपातकाल थोपा था, उन्होंने भी 50 बार धारा 356 का दुरुपयोग करके सरकारों को बर्खास्त किया था ।

12.26 hrs (Hon. Speaker *in the Chair*)

इंडी गठबंधन की कैसी विडम्बना है कि इस गठबंधन में शामिल वामपंथी दल, जिनकी पहली बार सरकार को अगर किसी ने बर्खास्त किया तो उस समय की कांग्रेस सरकार ने किया था । आज कम्युनिस्ट पार्टी उनका समर्थन करने की बात करती है । डीएमके जो इस गठबंधन का हिस्सा है, आपकी सरकार को भी अगर उस समय किसी ने बर्खास्त किया था तो कांग्रेस ने ही किया था । इंदिरा जी ने तो उसका 12 बार से ज्यादा दुरुपयोग किया था । ? (व्यवधान) कांग्रेस तो इसकी मूल भावना के साथ खिलवाड़ करती रही । मैं आपको कहना चाहता हूं कि नेहरू जी ने तो संविधान की आत्मा को ही खत्म कर दिया था । देश के संविधान बनने के 15 महीने के अंदर ही संविधान पर सबसे पहला प्रहार नेहरू जी ने किया था । आर्टिकल 19 जो इस देश के नागरिकों को विचार और अभिव्यक्ति की ? (व्यवधान) अरे भाई, सुनना पड़ेगा । माननीय अध्यक्ष जी, अगर सच नहीं है तो ये खड़े होकर बोले कि नेहरू जी ने नहीं किया । अगर देश के संविधान की आत्मा को खत्म करने का काम किया तो नेहरू जी ने किया था । मैं डंके की चोट पर कहता हूं । आर्टिकल 19 ? इस देश के नागरिकों को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है । इन्होंने उस आर्टिकल पर ही अंकुश लगाने का प्रयास किया । यह मामला था? ऑर्गेनाइजर और क्रॉसरोड्स पत्रिकाओं का । नेहरू जी की आलोचना हुई । उसमें सिर्फ इतना लिखा था कि पाकिस्तान में पीड़ित हिन्दुओं की आवाज उठाई थी । पाकिस्तान में पीड़ित हिन्दुओं के दर्द की आवाज को उठाने के लिए नेहरू जी को तो ऑर्गेनाइजर का धन्यवाद करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का काम किया । उन्होंने पहला संशोधन जून महीने में किया । इंदिरा जी पंडित नेहरू से और आगे निकल गई । 1975 में तो संविधान की हत्या ही कर दी । इमर्जेंसी देश ने देखी । वह काला अध्याय देश भूलेगा नहीं । ? (व्यवधान) 21 महीनों के आपातकाल में 5 संविधान संशोधन हुए । अपने हिसाब से मिनी संविधान तैयार करने का ? (व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैं पांच मिनट में अपनी बात खत्म कर रहा हूं । मिनी संविधान तैयार करने का काम कांग्रेस ने किया । 42 वें संशोधन में 40 अनुच्छेदों को ही बदल दिया गया । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य जब बोले तो टिप्पणी नहीं करें और इसका पांच साल पालन करना है ।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** सर, एक नहीं अनेक ऐसे संशोधन किए गए । उच्च न्यायालय से छीना ? पीएम पर नियुक्ति के व्यक्ति के चुनाव की जांच का अधिकार, न्यायापालिका से आपात की न्यायिक समीक्षा का अधिकार छीन लिया गया था । अनुच्छेद 368 के तहत 40 अनुच्छेदों को बदल दिया गया था । 42 वें संशोधन को तो मिनी संविधान कहा गया । यह किसी और ने नहीं, बल्कि कांग्रेस ने संविधान के साथ खिलवाड़ किया था, जिसके लिए आपको देश से माफी मांगनी चाहिए । यही नहीं, हमारे समय में मात्र 8 संविधान संशोधन हुए । मैं कहना चाहता हूं । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** जब आपको मौका मिले, तब आप बोल लीजिएगा ।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर **:** मैं आपको यह कहना चाहता हूं कि जनसंघ के अधिकतर नेता देश के संविधान को बचाने के लिए और इमर्जेंसी के खिलाफ जेल गए थे । इमर्जेंसी के खिलाफ हमारे नेताओं ने आवाज उठाई थी ।

माननीय स्टालिन जी, जो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं, वे भी उस समय जेल में थे । आज तो ?सपा? वाले कांग्रेस के साथ बैठ गये, मुलायम सिंह जी भी उस समय जेल में थे । आज तो आरजेडी वाले इनके साथ बैठ गये, लालू जी भी उस समय जेल में थे । आपकी ऐसी कौन-सी मजबूरी है कि एमरजेंसी थोपने वालों के साथ गठबंधन जरूरी है? अब आप लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं ।

यही नहीं, मीसा जी, बहन मीसा जी यहाँ पर हैं? इनका तो जन्म ही ?मीसा? एक्ट के दौरान हुआ । देश में ? मीसा? थोपा गया, तब इनका जन्म हुआ था ।? (व्यवधान) न जाने कितने लोगों की जानें ली गईं । हर पार्टी के कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतार दिया गया ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, यही नहीं, इन्होंने अनेक ऐसी?? (व्यवधान) मैं अटल जी की दो पंक्तियाँ कहना चाहता हूँ । जब एक साल एमरजेंसी का पूरा हुआ था, तो उन्होंने कहा था:

?झुलसाता जेठ मास,

शरद चाँदनी उदास,

सिसकी भरते सावन का,

अंतर्घट रीत गया,

एक बरस बीत गया ।

सीखचों में सिमटा जग,

किंतु विकल प्राण विहग,

धरती से अम्बर तक,

गूंज मुक्ति गीत गया,

एक बरस बीत गया ।?

ये बातें हमारे नेताओं ने कही थीं ।

आप ईवीएम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते थे । आप कहते थे कि ईवीएम यह हो जाएगा, वह हो जाएगा । अब मैं विपक्ष के इन सभी सांसदों से पूछना चाहता हूँ- क्या ईवीएम ठीक थी या नहीं थी? ? (व्यवधान) ईवीएम ठीक थी या नहीं थी? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इस बार चुनाव में, जम्मू-कश्मीर में पहले से 30 परसेंट ज्यादा वोट पड़े । जम्मू-कश्मीर में यह लोकतंत्र की जीत हुई है क्योंकि वहाँ पर अलगाववाद और आतंकवाद पर नकेल कसी गई । जो नेहरू जी की गलती थी, धारा 370 देकर और पाक ऑक्यूपाइड कश्मीर बनाकर कांग्रेस ने गलतियाँ कीं । उसमें सुधार किया गया और धारा 370 को खत्म किया गया, तो वह मोदी जी की सरकार ने किया । आज वहाँ पर रिकॉर्ड टूरिस्ट्स आ रहे हैं, वहाँ रिकॉर्ड वोटिंग हो रही है, वहाँ रिकॉर्ड निवेश आ रहा है । अब तो अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो गई है । जय अमरनाथ, जय भोलेनाथ ।

माननीय अध्यक्ष जी, देश के लिए आर्थिक शक्ति और सैन्य शक्ति बहुत जरूरी है । हमारी सरकार बनते ही सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करना मोदी जी की सरकार ने शुरू कर दिया । मैं कहना चाहता हूँ कि आपके समय में, आपने भारत को दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा इम्पोर्टर बना दिया था । आपके समय वर्ष 2014 में, एक हजार करोड़ रुपए से कम इक्सपोर्ट होता था । माननीय रक्षा मंत्री जी यहाँ पर बैठे हैं, आज 21 हजार करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट होता है, जो लगभग 21 गुना ज्यादा है ।? (व्यवधान) उस समय चीन बड़ा इम्पोर्टर होता था । आज वह मैन्यूफैक्चरर बन गया है । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने ब्रह्मोस मिसाइल, सुपरसोनिक मिसाइल आदि फिलीपीन्स और अन्य देशों को बेचने का काम किया और उनको उपलब्ध कराने का भी काम किया है ।? (व्यवधान) आज एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का रक्षा उत्पादन हम खुद कर रहे हैं । हमने रशिया से एस-400 लिया, चिनुक हेलिकॉप्टर से लेकर राफेल जेट लिये । भारत के अन्दर हम ब्रह्मोस मिसाइल बना रहे हैं, तेजस एयरक्राफ्ट लड़ाकू विमान बना रहे हैं । आईएनएस विक्रांत भी किसी ने बनाया, तो वह भारत ने खुद बनाया है ।

हमने अपने ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज का निगमीकरण किया है । हमने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता में रखा है । डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता को बल दिया है । हमने आर्म्ड फोर्सेज को आधुनिक बनाया है । आपने तो हमारी सेना को न लड़ाकू विमान दिए, न हथियार दिये, न गोला-बारूद दिए और न ही बुलेटप्रूफ जैकेट दिया । आपने 10 साल में कुछ नहीं दिया । हमारी सरकार ने ?मेक इन इंडिया? के तहत उनको बुलेटप्रूफ जैकेट देने का काम किया ।

माननीय अध्यक्ष जी, अगर मैं आंतरिक सुरक्षा की बात करूँ, आज देखा जाए तो नॉर्थ-ईस्ट में 11 पीस एकॉर्ड हुए । इसका इतिहास रचा गया, तो वह हमारी सरकार ने किया । यही नहीं, इनसर्जेंसी इंसीडेंट्स में 76 परसेंट की कमी आई है और हमारी सिक्युरिटी फोर्सेज की कैजुअल्टी में 90 परसेंट की कमी आई है । सिविलियन डेथ्स में 97 परसेंट की कमी आई है । हमने अलग-अलग बहुत सारे जगहों से ?अफस्पा? को भी हटा दिया है । यही नहीं, हमने सीएए लाकर, जिनको वर्षों से नागरिकता नहीं मिली थी, हमारी सरकार ने उनको सीएए के तहत नागरिकता देने का काम भी किया है ।

आप की सरकारों में अंग्रेजों की मानसिकता दिखती थी । ? (व्यवधान) दंड देने वाले कानून थे । ? (व्यवधान) हमने न्याय देने वाला कानून आज भारत को दिया है । ? (व्यवधान) अब नाबालिग से बलात्कार करने वाले को फांसी की सजा होगी । ? (व्यवधान) देश के खिलाफ शस्त्र उठाने वाले को, विद्रोह करने वाले को जेल होगी । ? (व्यवधान) कानून में अब ?राजद्रोह? शब्द की जगह ?देशद्रोह? शब्द होगा । ? (व्यवधान) देश के खिलाफ बोलना गुनाह होगा । ? (व्यवधान) व्यक्ति विशेष के खिलाफ बोलने पर जेल नहीं होगी । ? (व्यवधान) आपकी पार्टी और आपकी सरकारें तो, कोई बोलता, तो उसको गिरफ्तार करने के लिए भेज देते हैं । ? (व्यवधान)

बम धमाके, गैस अटैक करने वाले आतंकवादी जेल जाएंगे । ? (व्यवधान) मॉब-लिंचिंग करने वालों को भी अब फांसी की सजा होगी और बालिग से रेप करने वालों को भी सजा होगी । आतंकवादियों के लिए देश से बाहर जाने के सारे रास्ते बंद कर दिए जाएंगे । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, लास्ट लाइन बोलकर मैं अपनी बात खत्म कर रहा हूं । ? (व्यवधान) मैं इतना ही कहूंगा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार लगातार देश को आगे बढ़ा रही है, आप चाहे जितना मर्जी विरोध कर लें । ? (व्यवधान) आपने देखा होगा कि हमने ?ऑपरेशन गंगा? चलाया । दुनिया भर के देशों में कहीं भी आपदा आई हो, यदि कोई फर्स्ट-रिस्पॉन्डर बना है, तो मदद मांगने वाले से हटकर आज भारत मददगार देश बना

है । ? (व्यवधान) हम कोरोना के समय करोड़ों भारतीयों को ऑपरेशन चलाकर वापस लाए । ? (व्यवधान) यूक्रेन से 23,000 भारतीयों को ?ऑपरेशन गंगा? चलाकर देश में सुरक्षित लाई, तो वह मोदी सरकार लाई । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आखिर में किसान पर बोलकर अपनी बात को खत्म कर रहा हूं । ? (व्यवधान) ये कहते थे कि एमएसपी बंद हो जाएगा । ? (व्यवधान) एमएसपी बंद नहीं हुआ । ? (व्यवधान) 5.5 लाख करोड़ रुपए की खरीद आपके दस साल में हुई थी, हमने 18 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की खरीद दस सालों में की है । ? (व्यवधान) आपके समय 27,662 करोड़ रुपए का बजट था, हमारे समय 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बजट है । ? (व्यवधान) आपके समय प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना में कुछ नहीं मिलता था । ? (व्यवधान) हमने 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपए का प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजा दिया है । ? (व्यवधान) आपके समय वर्ष 2013-14 में 7 लाख 30 हजार करोड़ रुपए किसानों को बैंकों से मिले । ? (व्यवधान) हमने 21 लाख करोड़ रुपए बैंकों से दिए हैं । ? (व्यवधान) आपके समय छ: हजार करोड़ रुपए सिंचाई योजना पर खर्च हुए, हमने 15 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं । ? (व्यवधान) आपके समय गेहूं की खरीद 2 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की हुई, हमने 12 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की खरीद की है । आपने गेहूं की खरीद 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपए की की, हमने 5.5 लाख करोड़ रुपए की की । ? (व्यवधान) आपने दलहन की खरीद 1,966 करोड़ रुपए की की, हमने 85 हजार करोड़ रुपए की खरीद दलहन की की है । ? (व्यवधान) दलहन और तिलहन में भी भारत को हमने आत्मनिर्भर बनाया है । ? (व्यवधान)

भाइयों और बहनों, मैं यदि अंत में खेलों की बात नहीं करूंगा, तो मेरी बात पूरी नहीं होगी । ? (व्यवधान) भारत ने पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप 13 वर्षों के बाद जीता है, अब भारत ने वर्ल्ड कप भी जीता है । ? (व्यवधान) अरे, भारत की जीत के लिए ताली बजा दो । ? (व्यवधान) भारत के खिलाड़ियों के लिए ताली बजा दो । ? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, इनके हाथ भारत की जीत के लिए नहीं चलते हैं । ? (व्यवधान) ये तब भी सवाल खड़ा करते थे । ? (व्यवधान) अब हमारा देश वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक्स का आयोजन करने की तैयारी कर रहा है । ? (व्यवधान) हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं । ? (व्यवधान) ओलंपिक में भारत ने सात मेडल्स जीते, जो आज तक के सबसे ज्यादा हैं । ? (व्यवधान) कॉमनवैल्थ गेम्स में 61 मैडल्स जीते हैं । ? (व्यवधान) यही नहीं, भारत ने एक के बाद एक लगातार मैडल्स जीतने का कीर्तिमान स्थापित किया । ? (व्यवधान)

हमने ट्राइबल्स के लिए रिकॉर्ड 700 से ज्यादा एकलव्य स्कूल्स खोलने का काम किया । ? (व्यवधान) महिला सशक्तीकरण पर हमारी सरकार ने काम किया । ? (व्यवधान) आपके समय में कभी भी महिलाओं को न्याय नहीं मिला । ? (व्यवधान) 33 प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति वंदन बिल पास करके दिया, तो मोदी सरकार ने दिया । ? (व्यवधान)

अंत में मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा ?

दामन है दागदार, फिर भी इठलाकर चलते हो,

जमानत पर है परिवार, फिर भी सिर उठाकर चलते हो, बूझो कौन?

अध्यक्ष जी,

इनका रिश्ता झूठ से कुछ यूं गहराता चला गया,

जब भी इनका मुंह खुला, अफवाह फैलाता चला गया ।

अध्यक्ष जी, ये अफवाह फैलाते रहे और हम दुनिया को अपनी उपलब्धियां बताते गए और देश की जनता ने मोदी जी के ईमानदार, दमदार नेतृत्व पर मोहर लगाई है और फिर से एनडीए सरकार बनाई है । ? (व्यवधान)

महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि जिस तरह की परफॉरमेंस पहले दो टर्म्स में मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की रही, इस बार उससे आगे बढ़कर हमारी परफॉरमेंस रहेगी । यह विकास का रथ रूकेगा नहीं ।? (व्यवधान) हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे ।? (व्यवधान) हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे ।? (व्यवधान) हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे । अन्तिम लाइन कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूँगा । मैं यही कहूँगा कि थोड़ा मुस्कुराइए, विपक्ष वालों थोड़ा मुस्कुराइए, आप नए भारत में हैं और इस नए भारत की बुलन्द तस्वीर मैंने थोड़ी आपके सामने रखने का प्रयास किया है । राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर जहाँ मैं एक ओर उनका धन्यवाद करता हूँ, समर्थन करता हूँ । आप सबने मेरी बात सुनी, मुझे पार्टी की तरफ से सबसे पहले अपनी बात रखने का अवसर दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूँ ।

अध्यक्ष जी, आपको एक बार फिर अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूँ, आप सभी को चुनकर आने पर बधाई और आप सबके माध्यम से माननीय मोदी जी को बधाई देता हूँ और यही कहूँगा कि ले चलिए भारत को बुलन्दियों की ओर, बनाइए विकसित भारत, हम आपके साथ है । आप भी आइए, जुड़िए । आप भी आइए ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैंने तो हाथ जोड़ दिए हैं ।? (व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैंने तो हाथ जोड़ दिए हैं कि इस विकसित भारत की यात्रा में विपक्ष भी जुड़ जाए । यह मेरी, तेरी लड़ाई नहीं है, यह मेरे भारत की लड़ाई है, इकट्ठे मिलकर लड़ेंगे । इसमें मेरा, तेरा नहीं, इसमें बाँटने वाला कुछ नहीं, विचारधारा का कुछ नहीं, यह मेरे देश के लिए है । हम अपने देश को अगले 25 सालों में विकसित भारत बनाएंगे, विकसित भारत बनाएंगे, विकसित भारत बनाएंगे । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, यह प्रयास करें कि जब कोई माननीय सदस्य बोले तो टोका-टाकी न करें ।

सुश्री बाँसुरी स्वराज ।

सुश्री बाँसुरी स्वराज **(**नई दिल्ली**) :** महोदय, मैं माननीय अनुराग ठाकुर जी द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए आपके समक्ष उपस्थित हुई हूँ ।

महोदय, मैं आपको और अपनी पार्टी को धन्यवाद देती हूँ कि इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुझे अपना मत रखने का अवसर मिला है ।

महोदय, यह राष्ट्रपति अभिभाषण ऐतिहासिक है ।? (व्यवधान) यह अभिभाषण ऐतिहासिक है ।? (व्यवधान) यह ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि इसमें एक दशक के मोदी सरकार के अद्वितीय कार्यों का चित्रण ही नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम काल यानी विकसित भारत के संकल्प का उदघोष भी है । मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं का असर और उनके विकसित भारत के विजन पर जो जनता का अगाध विश्वास था, उसी के कारण एनडीए को तीसरी बार जनता ने पूर्ण बहुमत का जनादेश दिया है ।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण के पैराग्राफ 3 में जो कहा है, आपके माध्यम से पूरे के पूरे सदन के समक्ष मैं उसे पुन: दोहराना चाहूँगी ।

?2024 का चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है । मजबूत और निर्णायक सरकार में विश्वास, सुशासन, स्थिरता और निरंतरता में विश्वास, ईमानदारी और कड़ी मेहनत में विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि में विश्वास, सरकार की गारंटी और डिलीवरी पर विश्वास, विकसित भारत के संकल्प में विश्वास, मेरी सरकार ने 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, यह उस पर मुहर है । ?

महोदय, एक दशक में यह पहली बार ऐसी सरकार भारत में आयी है, जिसकी कथनी और करनी में अन्तर नहीं है । जो कहा, वो किया । धारा 370 हटाई । जो कहा, वो किया । भव्य राम मन्दिर का निर्माण किया । जो कहा, वो किया ।

हमारी सरकार सीएए कानून लेकर आई । जो कहा, वो किया । ?वन रैंक वन पेंशन? स्कीम लेकर आए । जो कहा, वो किया । मेक इन इंडिया की नींव रखी । जो कहा, वो किया । पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को इतना सशक्त कर दिया है कि हम 11 वीं अर्थव्यवस्था की जगह 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मात्र एक दशक में वैश्विक पटल पर बने ।

अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहती हूं कि यह सब असाधारण परिस्थितियों में हुआ । पूरा विश्व कोविड-19 की महामारी से जूझ रहा था । अभी भी विश्व के कई देश हैं, जो युद्ध की अग्नि में झुलस रहे हैं, लेकिन भारत मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक पटल पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के पथ पर अग्रसर है । हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है । इस संकल्प के चार मुख्य स्तम्भ हैं । पहला स्तम्भ युवा शक्ति, दूसरा स्तम्भ नारी शक्ति, तीसरा स्तम्भ किसान कल्याण और चौथा स्तम्भ गरीब कल्याण है । यदि आप युवा शक्ति की बात करते हैं, तो किसी भी प्रकार का अवसर यदि आप भारत की युवा शक्ति के समक्ष प्रस्तुत करते हैं, तो उस अवसर का लाभ लेने के लिए युवा शक्ति चूकती नहीं है । शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिलें, इसके लिए मोदी सरकार ने एक दशक में 7 नए आईआईटीज, 16 नए ट्रिप्पल आईटीज, 7 नए आईआईएम्स, 15 एम्स अस्पताल, 315 मेडिकल कॉलेजेज और 390 नये विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं । स्टैंड अप इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया की अगर हम बात करें तो इन दो योजनाओं के कारण देश का युवा जॉब सीकर की जगह जॉब क्रिएटर बना है । इस जॉब क्रिएशन से वैल्थ क्रिएशन की तरफ वह अग्रसर है । माननीय अनुराग ठाकुर जी ने भी सदन के समक्ष रखा कि आज भारत स्टार्ट अप ईको सिस्टम में विश्व की थर्ड लार्जेस्ट ईको सिस्टम है ।

अध्यक्ष जी, मुद्रा योजना में स्वरोजगार के लिए 46 करोड़ युवाओं ने 26 लाख करोड़ रुपये का ऋण आसानी से लिया है । आज देश में 1 लाख 81 हजार स्टार्ट अप कंपनियां हैं, जिनमें से 100 से अधिक यूनिकॉर्न्स हैं । पिछले दस वर्षों में भारत ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के इंडेक्स पर 147 वीं पोजिशन से 63 वीं पोजिशन पर पहुंचा है और पिछले 24 वर्षों में यानी वर्ष 2000 से 2024 में ही भारत में कुल 990.97 बिलियन डॉलर्स का एफडीआई आया है । जिसमें से 67 परसेंट यानी 667.41 बिलियन डॉलर्स मात्र पिछले एक दशक में एनडीए की सरकार में आया है । Today, in the world Bharat has become a leader of manufacturing. चाहे इलेक्ट्रॉनिक्स हो, चाहे ऑटोमोबिल हो, चाहे रक्षा उपकरण हो, भारत एक अग्रणी निर्माता के रूप में एक वैश्विक पटल पर उभर रहा है और इस नयी दुनिया में micro-chips are the ?new oil?. सेमिकंडक्टर और चिप मेन्यूफेक्चरिंग की दुनिया में भारत कहीं पीछे न छूट जाए, इसके लिए मोदी सरकार सवा लाख करोड़ रुपये

का इंफ्रास्ट्रक्चर पहले ही उद्घाटित कर चुकी है । असम में 27 हजार करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर का प्लांट भी बन रहा है । वह दिन दूर नहीं, जब चिप मेन्युफेक्चरिंग और सेमीकंडक्टर्स की दुनिया में Bharat will be a global leader. प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत में बहुत ही ट्रांसफोर्मेटिव प्रोग्राम्स आए हैं, जैसे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया । इनके कारण भारत के युवाओं की आंत्रप्रिन्योर स्प्रिट को बहुत ज्यादा प्रोत्साहन मिला है । अब हम विकसित भारत के दूसरे स्तंभ पर आते हैं यानी नारी शक्ति ।

अध्यक्ष जी, हम सब ने सुना है कि चूल्हे की रोटी का स्वाद बड़ा गजब है लेकिन उस चूल्हे की रोटी के स्वाद के चक्कर में मेरे देश की मातृ शक्ति के फेफड़े झुलस जाते हैं । पहले महिलाएं जाती हैं और लकड़ी बीनती हैं । गठरी सिर पर लाद कर लकड़ी लाती हैं और चूल्हा सुलगाने में बीस से पच्चीस मिनट लगते हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी ने दस करोड़ से ज्यादा उज्ज्वला गैस कनेक्शन्स देकर मातृ शक्ति को धुएं की जिंदगी से निजात दी है ।

हमारे देश में एक-एक को बचत की आदत हमारी मातृ शक्ति ने सिखाई है । आप सबको याद होगा, वह नानी जो रामायण के पन्नों में पैसे छिपाती थी, वह दादी जो चीनी के जार में पैसे छिपाती थी । उन चोरी के पैसे से कुल्फी-फलूदा खाने की मिठास ही अलग है, लेकिन कितने अचम्भे की बात है कि जिस मातृ शक्ति ने देश को बचत करना सिखाया, उनके पास बैंक अकाउंट्स ही नहीं थे । नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधान मंत्री जन-धन योजना के तहत देश की मातृ शक्ति को फॉर्मल बैंकिंग सेक्टर का हिस्सा बनाया ।

अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री जन-धन योजना में 50 करोड़ से अधिक बैंक के खाते खुले, जिसमें से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के थे ।

हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह भी सुनिश्चित किया कि महिलाओं के स्वरोजगार के लिए उनके पास आर्थिक सपोर्ट यानी फाइनैंशियल सपोर्ट की उपलब्धता हो । प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के तहत जो कुल ऋण सैंक्शन हुए हैं, उनमें से 69 प्रतिशत महिलाओं के लिए सैंक्शन हुए हैं । इसी तरह, स्टैण्ड-अप इंडिया के तहत 84 प्रतिशत ऋण महिलाओं के लिए सैंक्शन हुए हैं ।

एनडीए सरकार ने सेल्फ हेल्प ग्रुप मूवमेंट के माध्यम से जो एक करोड़ लखपति दीदी का टारगेट रखा था, उस लक्ष्य की प्राप्ति तो पहले ही हो गयी है, इसलिए मोदी सरकार ने अब इसको बढ़ा कर 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है ।

अध्यक्ष जी, महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधान मंत्री जी लाए हैं - ?नमो ड्रोन दीदी? । मेरे देश की बहन-बेटियां अब ड्रोन पायलट बनेंगी । इससे किसी कार्य में न केवल आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा, बल्कि आप देखिए कि इससे समाज की सोच में भी अन्तर पड़ेगा । It is not only going to leverage technology for modernisation of agrarian economy of India but also ensure a tectonic shift in the psychology of the society. ?नमो ड्रोन दीदी? विकसित भारत के दो पहलुओं को छूती है ? कृषि कल्याण और महिला शक्ति । लेकिन, महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है, जब वे नीति निर्माण में हिस्सा बनती हैं ।

अध्यक्ष जी, यहां पर कई माननीय सदस्य हैं । यहां पर आदरणीय हरसिमरत कौर जी बैठी हैं । वे तो स्वयं इस बात की साक्षी हैं कि सोलहवीं लोक सभा में तब की माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के अनुमोदन के वक्त 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की एक इच्छा प्रकट की थी, ताकि महिलाओं का राजनैतिक सशक्तीकरण हो सके ।

अध्यक्ष जी, यह कहते हुए मेरा मन प्रफुल्लित हो उठा है कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी और उनकी सरकार ने सत्रहवीं लोक सभा में ही इस स्वप्न को हकीकत में तब्दील कर दिया ।

अध्यक्ष जी, अठारहवीं लोक सभा में सुषमा स्वराज की दी हुई ये आँखें नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू होते इस सदन में देखेंगी और इस एतिहासिक पल की साक्षी बनेंगी ।

विकसित भारत का अगला स्तम्भ है ? किसान कल्याण । एनडीए सरकार के लिए अन्नदाता देवतुल्य हैं और इसलिए एनडीए सरकार ने इन देवतुल्य किसानों के लिए 3,20,000 करोड़ रुपये पी.एम. किसान सम्मान निधि के तहत पहले ही वितरित कर दिए हैं । नई सरकार जैसे ही आई, पहला सबसे बड़ा निर्णय हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 9.26 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का लिया । एनडीए सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए एमएसपी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की । ऑर्गेनिक फार्मिंग, कोल्ड स्टोरेज, कृषि आधारित उद्योग, डेयरी और मत्स्यपालन आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहित किया गया ।

ग्रामीण सड़क योजना के तहत तीन लाख 20 हज़ार किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई गई हैं । विकसित भारत का चौथा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है गरीब कल्याण । अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना विश्व में सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजना साबित हुई है । इसमें 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त खाद्यान्न की सामग्री यानि मुफ्त राशन दे कर मोदी जी ने खाद्य और पोषण की सुरक्षा सुनिश्चित की है ।

अध्यक्ष जी, जब हम देश की अर्थव्यवस्था की गाथा गाते हैं, तो वह रेहड़ी-पटरी वालों के बिना अधूरी है । नरेंद्र मोदी जी ने पीएम-स्वनिधि के तहत 70 लाख से ज्यादा रेहड़ी-पटरी वालों, यानि स्ट्रीट वेंडर्स को 11,000 करोड़ रुपये का ऋण बिना गारंटी के मुहैया करवाया है । अध्यक्ष जी, जिनकी गारंटी कोई नहीं लेता, उनकी गारंटी लेते हैं नरेंद्र मोदी ।

अध्यक्ष जी, हर व्यक्ति का एक स्वप्न होता है कि अपनी एक पक्की छत हो । पीएम-आवास योजना के तहत एनडीए की सरकार ने इस ख्वाब को हकीकत में बदला है । चार करोड़ से ज्यादा पक्के मकान इस देश के गरीबों को दिए गए हैं और अब पीएम-आवास योजना के तहत तीन करोड़ और पक्के मकान बनाने का संकल्प लिया गया है ।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 55 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को मुफ्त इलाज मिला है । लेकिन आने वाला भविष्य बहुत ही स्वर्णिम है । अध्यक्ष जी, हर युवा की ज़िंदगी में एक वक्त आता है, जब उम्र के उस पड़ाव में आपके माँ-बाप आपके बच्चे बन जाते हैं और आप अपने माँ-बाप के माता-पिता बन जाते हैं । हर युवा को माँ-बाप के इलाज की हर वक्त चिंता रहती है । आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष के हर वरिष्ठ नागरिक को और ट्रांस्जेंडर कम्यूनिटी को भी इसमें लाभार्थियों की श्रेणी में अब एनडीए की सरकार लाई है । यह कितनी राहत की बात है । इस देश का युवा भी राहत की सांस ले सकता है कि पांच लाख रुपये सालाना माँ-बाप के हेल्थ के प्रति सरकार मुहैया करवाने वाली है ।

अध्यक्ष जी, पीएम-सूर्य घर एक ऐसी फ्यूचरिस्टिक योजना है, जहां पर आपके घरों की छतों पर सोलर पैनल्स लगा कर भगवान सूर्य नारायण की ऊर्जा के माध्यम से मुफ्त बिजली बनाई जाएगी । अध्यक्ष जी, मुफ्त बिजली से भी बेहतर है कि वह जो बची हुई बिजली है, एक्सेस बिजली आप ग्रिड पर बेच कर आय का एक नया सोर्स भी होगा । मोदी सरकार अलग है ।

अध्यक्ष जी, मोदी सरकार केवल नीति निर्माण ही नहीं करती है । केवल योजनाएं ही नहीं बनाती है, उन योजनाओं का लाभ जन-जन तक ही नहीं पहुंचाती है, लेकिन वह लाभ सुनिश्चित हो, लास्ट माइल डिलिवरी हो, उसके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा भी निकालती है ।

अध्यक्ष जी, मोदी की गारंटी की गाड़ी आपके दरवाज़े आती है, जनता के दरवाज़े आती है, सभी सरकारी योजनाएं, एक ही छत के नीचे हैं । आपको आधार कार्ड बनवाना है, काउंटर वहीं है । पीएम-स्वनिधि चाहिए, काउंटर वहीं हैं । आपको उज्ज्वला गैस कनेक्शन चाहिए, काउंटर वहीं है । गुड गवर्नेंस के साथ-साथ एक्सेसिबिलिटी टू दैट गुड गवर्नेंस मोदी सरकार सुनिश्चित करती है । एक अच्छी सरकार जो आए आपके द्वार ।

अध्यक्ष जी, सरकारें आईं और सरकारें गईं । गरीबी हटाओ-गरीबी हटाओ, केवल एक चुनावी जुमला बन कर रह गया था, लेकिन यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सुनिश्चित किया और 25 करोड़ लोगों को मल्टी डायमेंशनल गरीबी की रेखा से बाहर निकाला ।

आज का दिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है ।

13.00 hrs

अध्यक्ष जी, आज का दिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है । मैं स्वयं एक वकील हूं और खुद अपने व्यक्तिगत अनुभव से कहती हूं कि आज का दिन यानी एक जुलाई हम वकीलों के फ्रेटरनिटी में उत्साह का माहौल लाने वाली है, क्योंकि एक जुलाई से भारत में भारतीय न्याय संहिता लागू हो रही है । पहले के कानून ब्रिटिश राज की गुलामी की बेड़ियाँ थीं, जो हमारी न्याय प्रणाली को जकड़े हुए थीं । पहली बार भारत में एक ऐसी दंड प्रणाली आ रही है, जिसका ध्येय न्याय होगा ।

अध्यक्ष जी, जब कोई ऐसा कानून विलायती हुकूमत बनाती है, तो उसका उद्देश्य न्याय नहीं होता, उसका उद्देश्य दमन होता है, क्योंकि वह चाहती है कि उसकी हुकूमत बरकरार रहे । पहली बार देश में भारतीय दंड प्रणाली आएगी, जिसका ध्येय न्याय होगा और न्याय को प्राथमिकता देगी । हमारे यहां कहते हैं कि ?Justice delayed is justice denied?. यह वह क्रिमिनल सिस्टम होगा, जो भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में तेजी लाएगी । कम्युनिटी पेनाल्टी पहली बार भारत में इंट्रोड्यूस हो रही है । इसका मतलब है - at the heart of these laws is not only deterrence of law and punishment, but also a sense of reformation. इन सभी transformative, futuristic, pathbreaking के कारण ही भारत में एनडीए की सरकार को तीसरी बार पूरा बहुमत दिया है ।

अध्यक्ष जी, विपक्षी गठबंधन ऐसा प्रदर्शित करता है, जैसे कि नारायणी सेना इनके पाले में खड़ी है । मैं इतना जरूर कहूंगी कि कृष्ण तो कर्म के कायल हैं, इसलिए उनका आशीर्वाद तो नरेन्द्र मोदी जैसे कर्मयोगी पर पुन: बरसा है । विपक्ष चाहे यह दिखाने का प्रयास करे कि स्वयं अक्षौहिणी सेना उनके पास है ।

अध्यक्ष जी, बहुत चौंकाने वाली बात है कि वह विपक्ष जिसने आपातकाल लगाने का अधर्म किया, वह विपक्ष जिसने भारत के संविधान का गला घोटने का अधर्म किया, जिसने इस देश के लोकतंत्र की हत्या करने का अधर्म किया, वह विपक्ष जिसके गठबंधन के सदस्य आज भी दिल्ली में एक कंस्टीट्यूशनल क्राइसिस क्रिएट करते हैं, क्योंकि वह अपनी जिद्द पर अड़े हुए हैं कि वह अपनी सरकार जेल से चलाएंगे, क्योंकि वह सत्ता के मोह में मदमस्त है और दिल्ली उनके इस मोह से त्रस्त है ।

अध्यक्ष जी, यह बड़ी अजीब बात है कि दिल्ली आज पानी के लिए तरस रही थी और जब एक बारिश हो गई तो पानी से त्रस्त हो गई । ऐसा लगता है कि विपक्षी गठबंधन या आम आदमी पार्टी में कम्पिटेंस एवं टैलेंट का एक आपातकाल और अकाल पड़ा हुआ है । इसीलिए, माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी मुख्यमंत्री की सीट को जकड़ कर बैठे हैं । मैं पूछना चाहती हूं कि ऐसा विपक्ष जो पॉलिसी पैरालिसिस का अधर्म करता है, जो लैक ऑफ गवर्नेंस का अधर्म करता है, वह धर्म की बात करके इस सदन में कैसे आड़े आ सकता है, जब यह सदन इमरजेंसी का खंडन करते हुए इमरजेंसी का रेजुलेशन पास करना चाहता है ।

अध्यक्ष जी, मुझे एक प्रसंग याद आता है । महाभारत में युधिष्ठिर को जब अकर्मण्यता ग्रसित कर दी तो वह पितामह भीष्म के पास गए । पीतामह भीष्म ने युधिष्ठिर जी को सुशासन के कई सूत्र दिए, लेकिन एक मूल मंत्र भी दिया । वह मूल मंत्र था ? ?यतो धर्म: ततो कृष्ण: यत: कृष्ण: ततो जय:? जहां धर्म है, वहां कृष्ण है, जहां कृष्ण है, वहां विजय है ।

अध्यक्ष जी, धर्म तो नरेन्द्र मोदी जी के ही पाले में खड़ा है । लोकतंत्र में मतदाता देव तुल्य होता है । छह दशक में तीसरी बार, लोकतंत्र में भारत के देव तुल्य मतदाता ने विजयश्री का आशीर्वाद एनडीए की सरकार को नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दिया है । कुछ दिन पहले मैंने टीवी पर देखा कि विपक्ष के एक बहुत ही बड़े नेता मीडिया के बंधुओं से अयोध्या धाम से जीते हुए अपने जन प्रतिनिधि का परिचय करवा रहे थे । उन्होंने कहा, ?ये हैं अयोध्या के राजा ।?

अध्यक्ष जी, यह विपक्ष की राजसी मानसिकता को परिलक्षित करता है । हम तो सत्ता पक्ष में होकर भी सेवा परमो धर्म: वाले हैं, राष्ट्र सर्वोपरि वाले हैं । हमारे तो यशस्वी प्रधान मंत्री भी अपने आपको देश का प्रधान सेवक कहते हैं । हमारे तो राजा राम हैं, धर्म हमारा काम है, जपते हम मां भारती का नाम हैं, इसीलिए तो नरेन्द्र मोदी के सामने फेल बाकी सारे तमाम हैं । रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के वर्क एथिक के साथ ?सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास?, इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक एनडीए की यह सरकार लेकर जाएगी, मुझे यह पूर्ण विश्वास है । मैं साथ में यह आशा भी करती हूं कि यह सदन एकजुट होकर उस संकल्प को सिद्धि तक ले जाने में मदद अवश्य करेगा ।

अध्यक्ष जी आपने मुझे समय दिया और अपनी बात कहने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं पुन: इस धन्यवाद प्रस्ताव का अनुमोदन करती हूं ।

माननीय अध्यक्ष **:** प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ :

?कि राष्ट्रपति की सेवा में निम्नलिखित शब्दों में एक समावेदन प्रस्तुत किया जाए:-

?कि इस सत्र में समवेत लोक सभा के सदस्य राष्ट्रपति के उस अभिभाषण के लिए, जो उन्होंने 27 जून, 2024 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष देने की कृपा की है, उनके अत्यंत आभारी हैं ।?

माननीय अध्यक्ष **:** सभा की कार्यवाही दो बजकर दस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है ।

13.06 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Ten Minutes past Fourteen of the Clock.

_____

14.13 hrs

माननीय अध्यक्ष: श्री राहुल गांधी जी ।

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): Thank you hon. Speaker for the opportunity. ? (*Interruptions*) जय संविधान, जय संविधान । हमने इसकी रक्षा की है । देश ने मिलकर संविधान की रक्षा की है । यह अच्छा लग रहा है कि हर दो-तीन मिनट में बीजेपी के लोग संविधान, संविधान कह रहे हैं । ? (व्यवधान) Speaker Sir, for the last ten years, there has been a systematic attack on the Constitution, on the idea of India and on anybody who opposed ? (*Interruptions*) They are just warming up right now. अभी वार्म-अप हो रहा है । ? (व्यवधान) There was a systematic full-scale assault on the idea of India, on the Constitution and also on millions and millions of people who resisted the ideas being proposed by the BJP and who resisted the attack on the Constitution.

Many of us were attacked personally. In fact, some of our leaders are still in jail. One of our leaders has recently been released, but another one is still in jail. Not only the Opposition but anybody who resisted the idea of concentration of power, of concentration of wealth, of aggression on poor, of aggression on Dalits, minorities and Tribals was crushed violently. People were put in jail. People were threatened and I, myself, was attacked. ? (*Interruptions*)

श्री गौरव गोगोई **(**जोरहाट**):** महोदय, संसद टीवी का नया फॉर्मेट देखा है । पहले हमने देखा नहीं है । ? (व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI: I, myself, was attacked by order of the Government of India, by order obviously of the Prime Minister of India. There were twenty plus cases and two years jail sentence against me. My house was taken away. No problem! There had been 24x7 attack and abuse on us in the Media relentlessly in every single day and the most enjoyable and beautiful part of it was 55-hours? interrogation by ED, which I really enjoyed. At the end of interrogation, the officer switched off his camera and asked me, ?Rahul ji, you have been sitting here for 55 hours. आप पत्थर जैसे हो, आप हिलते क्यों नहीं हो?? उसने मुझसे सवाल पूछा । जब ऐसा आक्रमण होता है, When there is an attack like this on you, you obviously need refuge, you need a place or you need ideas to defend you. So, I want to start my speech today by telling my friends in BJP and RSS about the ideas which we used and the entire Opposition used to defend the idea of India. From where do these ideas come from

and how did they give all of us who opposed this regime the strength to fearlessly take any onslaught which was placed before us? So, I would like to start by showing an image of our refuge. ? (*Interruptions*) सर, क्या शिवजी की फोटो नहीं दिखा सकते? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** एक मिनट, माननीय सदस्य ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी**:** क्या शिवजी की फोटो दिखाना मना है? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज़, एक मिनट, माननीय सदस्य ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** अगर मना है तो मैं रख देता हूं ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपने सवाल उठाया । आपके माननीय सदस्यगण नियम 353 बता रहे थे, नियम 352 बता रहे थे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** आपने कहा कि इस नियम प्रक्रिया से सदन चलना चाहिए । नियम प्रक्रिया में कोई भी प्लेकार्ड, किसी भी चिह्न को सदन में नहीं दिखाया जा सकता है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** आपने कहा नियम से हो ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** ऐसा नहीं है ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सर, क्या इस हाउस में शिवजी की फोटो दिखाना मना है? आप बस यह बता दीजिए कि मना है या नहीं? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, किसी भी चित्र को दिखाने का नियम नहीं है ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** फिर शिवजी का चित्र इस हाउस में दिखाना मना है । ? (व्यवधान) यहां पर दूसरी चीजों के चित्र दिखाए जा सकते हैं, मगर शिवजी का चित्र नहीं दिखाया जा सकता । अगर मैं कह रहा हूं कि हमें इनसे प्रोटेक्शन मिली और मैं समझाना चाह रहा हूं कि कैसे प्रोटेक्शन मिली, आप मुझे चित्र नहीं दिखाने दे रहे हैं । इसके बाद मेरे पास और चित्र हैं । मैं सब दिखाना चाहता था ।? (व्यवधान)

स्पीकर सर, यह चित्र पूरे हिंदुस्तान के दिल में है । पूरा हिंदुस्तान इस चित्र को जानता है, समझता है । Everybody knows about this image.

Speaker, Sir, why I got this image? It is because there are certain ideas in this image that we defend, that the Opposition defends. The first idea in this image, that we defend, is the idea of confronting our fear and of never being scared. That idea is being represented in this image which you are not allowing me to show. The idea behind a snake, that is placed right near the neck of Shivji, is that never be scared of anything that you face. In fact, Shivji places death one inch from his neck and that is the spirit with which we fought when we were in the Opposition. From this idea of resisting?? (*Interruptions*) We are still in the Opposition. I know that and I am happy and proud to be in the Opposition because for us, more than power, there is truth. For you, there is only power. That is the only place you want to be. ? (*Interruptions*) For us, there is truth and this is the symbol of truth. So, when Shivji places the snake near his neck, what he is saying is: ?I will accept the truth and I will not back down from the truth.? That is what we have said.

After that, a new idea emerges. Of course, I cannot show Shivji?s picture but all of you know it. Behind the left shoulder of Shivji there is trishool. Now, I would like you to understand that there is a reason that this trishool, a weapon, has been placed behind his left shoulder. The trishool is not a symbol of violence, it is a symbol of non-violence and that is why it is placed in a place where Shiva cannot reach with his right hand. If it was a symbol of violence, it would have been held in his right hand like this but it is a symbol of non-violence and that is why it is placed behind his left shoulder. When we fought BJP, we were non-violent. When we defended the truth, there was not an ounce of violence in us.

Now, there is a third idea and a very powerful idea that emerges from the idea of truth, courage, and non-violence. Of course, it is a symbol that many of you hate but that idea is the *abhayamudra*, the symbol of the Congress Party which, as you can see, is also shown in this image. ? (*Interruptions*) Jai Mahadev. Rajnath ji looks very surprised. ? (*Interruptions*) What that *abhayamudra* shows? It is the next step of the evolution of the idea of facing the truth, fearlessness, and *satya* and *ahimsa* as Mahatma Gandhi ji used to say. The *abhayamudra* is the idea that is not good enough to just keep this internal. It is not good enough to not be scared, it is not good enough to use non-violence, it is also important that you make others not scared and make them fearless and non-violent. In a sense, the *abhayamudra* is a projection from Shivji to the rest of the world about these two ideas. Of course,

these two ideas were used by us, all of us, when we fought the Britishers and they were put forth by Mahatma Gandhi. The Prime Minister, of course, has a direct connection with God. He speaks directly to God. ? (*Interruptions*) Yes, the Parmatma speaks to Modi ji?s aatma directly, unlike with all humans. We are all biological.? (*Interruptions*) We are born and we die but the Prime Minister is a non-biological being. The Prime Minister said that Gandhi is dead and Gandhi was revived by a movie.? (*Interruptions*) Can you understand the ignorance that Gandhi is dead and a movie revived the Father of the Nation! ? (*Interruptions*) No, no, Gandhi is not dead; Gandhi is alive.

Now, there is another very interesting thing I noticed. ? (*Interruptions*) There is another thing I noticed. ? (*Interruptions*) It is not just one religion that talks about courage. In fact, all our religions talk about courage. So, here is the religion of Islam. ? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** आप सदन के नेता प्रतिपक्ष हैं । सदन आपसे अपेक्षा करता है ।

श्री राहुल गांधी **:** सर, ठीक है । मैं नहीं दिखाऊंगा, लेकिन कैसे करूं, क्योंकि मैं जो समझाना चाहता हूं, वह मैं नहीं समझा पा रहा हूं । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप सभी यहां पर समझदार हैं । सभी लोग चुनकर आते हैं । जनता ने सबको चुनकर भेजा है ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सर, बात नहीं बन रही है, मजा नहीं आ रहा है । कांग्रेस पार्टी ने शिव जी की फोटो दिखा दी तो ये गुस्सा हो गये । आप देखिए । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज माननीय सदस्य ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सर, ये चाहते हैं कि सिर्फ ये दिखा पाएं । ? (व्यवधान) इस्लाम में जो कहा गया है, वह मैं पढ़ता हूं ।

माननीय अध्यक्ष **:** आप चेयर को एड्रेस कीजिए ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सॉरी सर । इस्लाम धर्म के कुरान में लिखा हुआ है ? The Prophet (Peace be upon Him) said:

?He (God) said: *?Have no fear*! I *am* with *you*, *hearing* and seeing.?

इसका मतलब इस्लाम में भी कहा गया है कि डरना नहीं है । जब इस्लाम में दुआ मांगी जाती है, तो दोनों हाथ से, दाएं हाथ से अभय मुद्रा दिखाई देती है । उसके बाद गुरुनानक जी की ओर चलते हैं । ? (व्यवधान) ?वाहे गुरु जी का खालसा वाहे गुरु जी की फतेह?, जिस धर्म पर आप हर रोज आक्रमण करते हैं, गुरुनानक जी जो ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज माननीय सदस्य । हम इनको पूजते हैं । आप इस तरह से इनको टेबल पर मत रखिए । यह तरीका ठीक नहीं हैं ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सर, मैं कहां रखूं? मैं यहां रख देता हूं । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप यहां मत रखिए ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सर, गुरुनानक जी के चित्र में भी अभय मुद्रा दिखाई देगी । गुरुनानक जी भी कहते हैं कि ?डरो मत, डराओ मत? । पंजाब से गुरुनानक जी मक्का तक गये, थाईलैंड तक गये, अफगानिस्तान गये और श्रीलंका गये । उन्होंने किसी से हिंसा नहीं की । उन्होंने अहिंसा की बात की, सत्य की बात की और किसी को उन्होंने अपनी जिन्दगी में नहीं डराया । उसके बाद आप जीसस क्राइस्ट की इमेज देखिए, उसमें भी आपको अभय मुद्रा दिखाई देगी । जीसस क्राइस्ट की इमेज में भी अभय मुद्रा है, ?डरो मत, डराओ मत? । जीसस क्राइस्ट ने कहा है कि अगर आपको कोई थप्पड़ मारता है तो आप दूसरा गाल दिखा दो । उसके बाद बुद्ध भगवान की इमेज में भी अभय मुद्रा है, ?डरो मत, डराओ मत?, ?अहिंसा? । अंत में महावीर, ?डरो मत, डराओ मत?, अभय मुद्रा । मतलब हिन्दुस्तान के इतिहास में तीन फाउंडेशन आइडियाज हैं ।

एक दिन मोदी जी ने अपने भाषण में कहा कि हिन्दुस्तान ने किसी पर आक्रमण नहीं किया । उसका कारण है, क्योंकि यह देश अहिंसा का देश है, यह देश डर का देश नहीं है । हमारे सारे के सारे महापुरुषों ने अहिंसा की बात की, डर मिटाने की बात की, डरो मत, डराओ मत ।?(व्यवधान) दूसरी तरफ शिव जी कहते हैं कि डरो मत, डराओ मत, अभय मुद्रा दिखाते हैं, अहिंसा की बात करते हैं, त्रिशूल को जमीन में गाड़ देते हैं ...* ? (व्यवधान) ... ?(व्यवधान) हिन्दू धर्म में साफ लिखा है कि सत्य के साथ खड़े होना चाहिए, सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए, सत्य से नहीं डरना चाहिए, अहिंसा हमारा प्रतीक है, अभय मुद्रा ।?(व्यवधान) ... ?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, आप नेता प्रतिपक्ष हैं, किसी की भावना को ठेस न पहुंचे, चर्चा के दौरान उसका ध्यान रखना चाहिए ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** महोदय, मुझे बोलने दीजिए ।?(व्यवधान)

प्रधानमंत्री **(**श्री नरेन्द्र मोदी**) :** महोदय, यह विषय बहुत गंभीर है । पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना, ये गंभीर विषय है ।?(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** ... *?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** भूपेन्द्र यादव जी, क्या आप कुछ बोलना चाहते हैं?

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** महोदय, यहां पर ये सब हिन्दू हैं ।?(व्यवधान)

पर्यावरण**,** वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री **(**श्री भूपेन्द्र यादव**) :** माननीय अध्यक्ष जी, आज प्रतिपक्ष के नेता पहली बार इस सदन को संबोधित कर रहे हैं । मैं नियम 349 और 352 के संबंध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । सबसे पहले तो प्रतिपक्ष के नेता को बोलने का तरीका आना चाहिए ।?(व्यवधान)

नियम 349 (12) है, वह स्पष्ट रूप से कहता है कि ?shall not sit or stand with back towards the Chair.? वह लगातार आपकी तरफ पीठ करके खड़े हैं । यह नियमों के खिलाफ है, जो इनको शोभा नहीं देता है ।?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप मुझे एड्रेस करके बोलिए ।

? (व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र यादव **:** अध्यक्ष महोदय, रूल 352 (2) यह कहता है कि :-

?make personal reference by way of making an allegation imputing a motive to or questioning the *bona fides* ?? ?

इन्होंने पूरे पक्ष के सदस्यों पर ही नहीं, बल्कि इससे बाहर जाकर पूरे हिन्दू समाज के ऊपर ऐलिगेशन लगाया है, इनके बोनाफाइड गलत है, इनके खड़े होने का तरीका गलत है । इन्होंने सदस्यों पर तो लगाया ही है । ? (व्यवधान)

गृह मंत्री**;** तथा सहकारिता मंत्री **(**श्री अमित शाह**) :** माननीय अध्यक्ष जी, शोर-शराबा करके इतने बड़े वाक्या को छिपाया नहीं जा सकता है । विपक्ष के नेताजी ने कैटेगरीकली कहा है कि जो अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वे ... करते हैं । ? (व्यवधान) मैं फिर से रिपीट करना चाहता हूं । उनका वाक्य था कि ?जो अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वे ... की बात करते हैं, ... करते हैं ।? ? (व्यवधान)

मान्यवर, इस देश में शायद इनको मालूम नहीं है कि करोड़ों लोग अपने आपको को गर्व से हिन्दू कहते हैं । क्या वे सभी लोग हिंसा की बात करते हैं, हिंसा करते हैं? हिंसा की भावना को किसी धर्म के साथ जोड़ना, उन्होंने इस सदन में ऐसा कहा और संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति ने कहा तो मैं मानता हूं कि उनको इसकी माफी मांगनी चाहिए । ? (व्यवधान) मैं उनको एक गुजारिश भी करना चाहता हूं कि इस्लाम में अभय मुद्रा पर वह एक बार इस्लाम के विद्वानों का मत ले लें, गुरु नानक साहब की अभय मुद्रा पर एसजीपीसी का मत ले लें । अभय की बात इनको करने का कोई अधिकार नहीं है । आपातकाल में इन्होंने पूरे देश को भयभीत किया है और लाखों लोगों को जेल में डाला है । अगर वैचारिक आतंक कभी था तो आपातकाल के वक्त था । ? (व्यवधान)

मान्यवर, दिल्ली में दिन-दहाड़े हजारों सिख भाइयों का कत्ले आम उनके शासन में हुआ । आज वह अभय की बात कर रहे हैं । मेरा आपसे आग्रह है कि श्री राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष का पहला भाषण होने के बावजूद उनको इसकी माफी मांगनी चाहिए । उनको न केवल सदन, बल्कि पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए ।? (व्यवधान)

डॉ. निशिकान्त दुबे (गोड्डा) **:** स्पीकर सर, ये संविधान की बात कर रहे हैं ।? (व्यवधान) इसी संविधान का आर्टिकल 25 कहता है कि किसी भी धर्म के ऊपर कोई भी व्यक्ति किसी को हिंसावादी करार नहीं दे सकता है ।? (व्यवधान) इन्होंने हिन्दू को हिंसावादी कहा है ।? (व्यवधान) इन्होंने संविधान का अपमान किया है ।? (व्यवधान) इन्होंने संविधान की ... दुहाई दी है ।? (व्यवधान) इनको माफी मांगनी चाहिए ।? (व्यवधान) यह संविधान का आर्टिकल 25 है ।? (व्यवधान) सर, इनको माफी मांगनी चाहिए ।? (व्यवधान) सर, यह देश संविधान से चलता है ।? (व्यवधान) यह पार्लियामेंट संविधान से चलती है ।? (व्यवधान) इनको माफी मांगनी चाहिए ।? (व्यवधान) ये संविधान से ऊपर नहीं हैं ।? (व्यवधान) कांग्रेस पार्टी संविधान से ऊपर नहीं है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, इस सदन की एक गरिमा रही है । हमें संवाद और चर्चा करते समय इस सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए । ऐसी कोई भी आपत्तिजनक बात जो पूरे समाज के बारे में हो, कम से कम प्रतिपक्ष के नेता को, बोलते समय ध्यान में रखना चाहिए । मैं इसको सीरियस तरीके से देखूंगा ।

श्री राहुल गांधी **:** अगर आप हिन्दू धर्म के जो महापुरुष हैं । महापुरुष को छोड़िए, अगर आप शिव जी को देखें? (व्यवधान) सर, यह क्या हो रहा है? ? (व्यवधान) अगर आप शिव जी को देखें तो उनकी इमेज से आपको पता लगता है कि हिन्दू डर नहीं फैला सकता, हिन्दू हिंसा नहीं फैला सकता, हिन्दू नफरत नहीं फैला सकता और ... ? (व्यवधान) स्पीकर सर, इन्होंने कहां-कहां तक डर फैला दिया है ।? (व्यवधान) सर, कहां-कहां तक इन लोगों ने डर फैला दिया । मैं आपको अयोध्या से शुरू करता हूं ।? (व्यवधान) अयोध्या ने आपको मैसेज भेजा ।? (व्यवधान)

श्री अमित शाह **:** सर, मेरा व्यवस्था का सवाल है ।? (व्यवधान) इस सदन के नियमों की पुस्तिका से क्या कुछ सदस्यों को मुक्ति दे दी गयी है ।? (व्यवधान) आपके गाइडेंस के बाद भी बार-बार तस्वीर दिखाना, पूरी बीजेपी को, ?हिंसा कर रही है ।?, ऐसा कहना ।? (व्यवधान) खड़े होकर, एक-दूसरे से हाथ मिलाना ।? (व्यवधान) क्या सारे नियम इन पर लागू नहीं होते हैं? ? (व्यवधान) अगर नियम मालूम नहीं है तो ट्यूशन रख लीजिए ।? (व्यवधान) लेकिन, सदन इस तरह से नहीं चल सकता है । ? (व्यवधान) मेरा आपसे आग्रह है कि यह सदन ऑर्डर में रहना चाहिए ।? (व्यवधान) नियमों के अनुसार चलना चाहिए ।? (व्यवधान) यह हम सभी सदस्यों की आपसे विनती है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूँ कि सब नियम-प्रक्रिया से चलें ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, नो । आपने नियम बताया था ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सर, माइक ऑन कीजिए ।? (व्यवधान) सर, मेरा सवाल है कि इस माइक का कंट्रोल किसके हाथ में है?? (व्यवधान) यह बीच में ऑफ हो जाता है ।

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, प्लीज बैठिए । कई बार यह विषय उठ चुका है । माननीय सदस्य, आप प्रतिपक्ष के नेता हैं । आप सदन के बाहर भी यह बात कहते हैं कि माइक बंद कर दिया जाता है । मैंने कई बार आग्रहपूर्वक कहा है कि आसन पर इस तरह का आरोप नहीं लगाना चाहिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** नो, प्लीज बात सुनिए । आसन पर सभी दलों के सदस्य बैठते हैं और सभी दलों के सदस्य सभापति तालिका में भी हैं । सब जानते हैं कि एक व्यवस्था होती है कि जिस भी माननीय सदस्य को बोलने के लिए आग्रह किया जाता है, उस माननीय सदस्य के द्वारा बोला जाता है और जिसको आग्रह नहीं किया जाता है, उसका माइक चालू नहीं होता है । आप बोलने के लिए खड़े हैं तो आपका माइक कभी बंद नहीं हुआ । आसन पर जो भी विराजमान हैं, अगर वे आपका नाम नहीं पुकारते हैं, तब माइक चालू नहीं होता है । यह व्यवस्था हमेशा इस सदन की रही है । पुराने में भी यही व्यवस्था थी और नए में भी यही व्यवस्था है । आसन पर बैठे व्यक्ति पर कभी भी माइक का कंट्रोल नहीं होता है ।

दूसरा, आप प्रतिपक्ष के नेता हैं और आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि आप लोक सभा की प्रक्रिया का और संचालन नियमों का पालन करें । संविधान में जो व्यवस्थाएं दे रखी हैं, उनका पालन करें और सदन में बोलते समय किसी भी धर्म के ऊपर ऐसा आक्षेप न करें, जिससे पूरे देश के अंदर एक इश्यू बन जाए । यह आपसे अपेक्षा की जाती है ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, मैं आपकी बिल्कुल रिस्पेक्ट करता हूँ । मगर सच्चाई यह है कि मेरे भाषण के बीच में माइक ऑफ हो जाता है । मैं क्या करूँ? माइक ऑफ हो जाता है । आपने देखा कि मैंने अयोध्या शब्द यूज किया और माइक ऑफ हो गया ।? (व्यवधान) अयोध्या ने, राम भगवान की जन्मभूमि ने बी.जे.पी. को मैसेज दिया है और ये आपके सामने वह मैसेज बैठे हुए हैं । कल हमने कॉफी पी तो मैंने इनसे पूछा कि बताइए यह क्या हुआ? बी.जे.पी. ने राम मंदिर का इनॉगरेशन किया ।? (व्यवधान) नाम बोलने की कोई जरूरत नहीं है । मैं भाषण दे रहा हूँ, आप नहीं दे रहे हैं । जो भी बोलना है, वह मुझे बोलना है । मुझे नाम लेने की कोई जरूरत नहीं है । मुझे जो बोलना है, वह मैं बोलूंगा ।? (व्यवधान) अयोध्या ने मैसेज दिया और मैंने इनसे पूछा कि यह क्या हुआ? मैंने इनसे पूछा कि आपको कब पता लगा कि आप आयोध्या में जीत रहे हैं? इन्होंने कहा कि पहले दिन से मुझे पता था । यह सही बात है ।

मैंने कहा कि यह क्यों हुआ? उन्होंने कहा कि राहुल जी आयोध्या में एयरपोर्ट बना । अयोध्या की जनता से जमीन छीनी गई और आज तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है । उन्होंने कहा कि अयोध्या में जो भी छोटे-छोटे दुकानदार थे, जो भी छोटी-छोटी बिल्डिंग्स थीं, उन सभी को तोड़कर गिरा दिया गया और उन लोगों को सड़क पर कर दिया गया । इन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या के इनऑगरेशन में अयोध्या की जनता को बहुत दु:ख हुआ, क्योंकि इनोगुरेशन में ?* थे, मगर अयोध्या का कोई नहीं था ।?(व्यवधान) यह कारण था कि अयोध्या की जनता में, उनके दिल में नरेन्द्र मोदी जी ने भय, उनकी जमीन ले ली, उनके घर गिरा दिए और फिर अयोध्या के गरीब लोगों, किसानों और मजदूरों को मंदिर के इनोगुरेशन तक में नहीं जाने दिया । मंदिर का इनोगुरेशन छोड़ो, उसके बाहर भी नहीं जाने दिया ।?(व्यवधान) इसीलिए अयोध्या की जनता ने सही मैसेज भेजा । इन्होंने मुझे एक और

बात कही । इन्होंने कहा कि दो बार नरेन्द्र मोदी जी ने टेस्ट किया - क्या मैं अयोध्या से लड़ जाऊं और सर्वेयर्स ने कहा कि अयोध्या से मत लड़ जाना । ?(व्यवधान) अयोध्या की जनता हरा देगी । इसीलिए प्रधान मंत्री जी वाराणसी गए और वहां बच कर निकले ।?(व्यवधान) अयोध्या की जनता को डराया, पूरे देश को डरा दिया । मैं आपको बताता हूं । मैं आज सुबह आया । राजनाथ सिंह जी ने मुस्कुरा कर मुझे नमस्ते किया और ?* सच्चाई है । ?(व्यवधान) अरे भाई! अयोध्या की जनता को छोड़ो, ये बीजेपी वालों को डराते हैं ।?(व्यवधान) सर क्या है? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय प्रतिपक्ष के नेता, आप सदन के वरिष्ठ नेता हैं । मेरा आपसे आग्रह है कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर डिबेट हो रही है, तो राष्ट्रपति अभिभाषण की गरिमा रखें ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपसे सभी यह अपेक्षा रखते हैं कि आप राष्ट्रपति अभिभाषण पर बोलें, नीतियों पर बोलें, कार्यक्रमों पर बोलें । आप व्यक्तिगत रूप से, नहीं ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या आप यह उचित मानते हैं? यह उचित है ।

?(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** अगर आपकी पार्टी इसी को उचित मानती है, तो मुझे कुछ नहीं कहना है ।

?(व्यवधान)

श्री नरेन्द्र मोदी **:** माननीय अध्यक्ष जी, लोकतंत्र और संविधान ने मुझे सिखाया है?(व्यवधान) कि मुझे विपक्ष के नेता को गंभीरता से लेना चाहिए ।?(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, आपने कहा कि डिबेट प्रेसिडेंट एड्रेस पर होनी चाहिए । यह जो मैंने किया है, अनुराग ठाकुर जी ने अयोध्या की बात की थी ।?(व्यवधान) अनुराग ठाकुर जी ने सनातन धर्म पर आक्रमण की बात की थी । इसीलिए मैंने यह किया है । मैं दिखाना चाहता हूं कि अयोध्या में क्या हुआ और अयोध्या की सच्चाई क्या थी? उन्होंने प्रेसिडेंट एड्रेस के डिबेट में उन्होंने बात उठाई थी, मैंने बात बंद की ।?(व्यवधान) इन्होंने डर फैलाया । अपोजिशन का रिस्पोंस, एक साथ मिलकर भारत जोड़ो यात्रा ? सारा का सारा अपोजिशन, पूरा देश एक साथ मिलकर कन्याकुमारी से कश्मीर तक चला । आपने जो डर फैलाया, उसके बारे में यात्रा में बहुत कुछ सुनने को मिला । मुझे अभी तक याद है । सुबह सात-आठ बजे की बात थी । हम यात्रा में चल रहे थे । एक महिला आती है, हमारे साथ चलती है, मेरा हाथ पकड़ती है । वह घबराई हुई सी थी तो मैंने पूछा कि क्या हुआ? वह मुझे कहती है कि मुझे मार रहा है । ? (व्यवधान) मैंने पूछा- कौन मार रहा है? ? (व्यवधान) मैंने पूछा कि कौन मार रहा है? वह कहती है कि मेरा पति मार रहा है । मैंने कहा- क्यों? वह कहती है कि मैं सुबह का खाना नहीं दे पाई । मैंने कहा- क्यों? उसने कहा कि मैं खरीद नहीं पाई, क्योंकि महंगाई है ।? (व्यवधान) महंगाई है, खरीद नहीं पाई, खाना नहीं पका पाई, इसलिए मुझे मार पिट रही है । मैंने कहा कि बहन मैं क्या करूं? आपकी कैसे मदद करूं? वह कहती है कि आप कुछ मत कीजिए । ? (व्यवधान) आप कुछ मत कीजिए । आप सिर्फ यह बात याद रखिए कि महंगाई के कारण हिन्दुस्तान में हजारों महिलाओं को सुबह पीटा जा रहा है । यह उसके शब्द है, मेरे

शब्द नहीं है । गैस सिलेंडर, महंगाई? (व्यवधान) आपने गरीबों को, महिलाओं को डराने का काम किया । शिवजी कहते हैं कि डरो मत, डराओ मत । आपने हिन्दुस्तान की महिलाओं को महंगाई से हर रोज डराया है । मैं कुछ दिन पहले पंजाब में अग्निवीर के परिवार से मिला । ? (व्यवधान) अग्निवीर के परिवार से मिला । उसका छोटा सा घर था ।? (व्यवधान)

स्पीकर सर, छोटे से घर का अग्निवीर शहीद हुआ, लैंडमाइन ब्लास्ट में शहीद हुआ । मैं उसे शहीद कह रहा हूं, मगर हिन्दुस्तान की सरकार उसे शहीद नहीं कहती । नरेन्द्र मोदी जी उसे शहीद नहीं कहते हैं । नरेन्द्र मोदी जी उसे अग्निवीर कहते हैं । उस घर को पेंशन नहीं मिलेगी । उस घर को कंपनसेशन नहीं मिलेगा, शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा । वह बेचारे बैठे हुए थे । तीन बहनें थीं, वे एक साथ बैठी हुई थीं, रो रही थी । आम जवान को पेंशन मिलेगी । जरूर दु:ख होगा, हिन्दुस्तान की सरकार आम जवान की मदद करेगी, मगर अग्निवीर को जवान नहीं कहा जा सकता ।

अग्निवीर ... आप उससे कहते हो, आप उसको छ: महीने की ट्रेनिंग देते हो ? (व्यवधान) आप छ: महीने की ट्रेनिंग देते हो, दूसरी तरफ चाइना के जवानको 5 साल की ट्रेनिंग मिलती है । राइफल देकर उसके सामने खड़ा कर देते हो । उसके दिल में भय पैदा करते हो । एक जवान और दूसरे जवान के बीच में फूट डालते हो कि एक को पेंशन मिलेगी, एक को शहीद का दर्जा मिलेगा, लेकिन दूसरे को नहीं मिलेगा ।? (व्यवधान)

15.00 hrs

फिर अपने आप को देशभक्त कहते हैं ।? (व्यवधान) ये कैसे देशभक्त हैं? ? (व्यवधान) फिल्म स्टार जैसी फोटो थी उस लड़के की ।? (व्यवधान) फिल्म स्टार जैसी । बॉलीवुड के स्टार जैसी उसकी फोटो थी ।? (व्यवधान) मैं सोच रहा था, ? (व्यवधान) इस युवा ने जान दी ।? (व्यवधान)

श्री राज नाथ सिंह **:** अध्यक्ष महोदय, मैं नेता प्रतिपक्ष से यह अनुरोध करना चाहूँगा कि वे गलत बयानी करके सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें ।? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** नहीं सर । यह गलत नहीं है सर ।? (व्यवधान) यह गलत नहीं है सर ।? (व्यवधान)

श्री राज नाथ सिंह **:** मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि युद्ध के दौरान अथवा सीमाओं की सुरक्षा के दौरान हमारा कोई अग्निवीर का जवान शहीद होता है, तो एक करोड़ रुपए की धनराशि उसके परिवार को सहायता के रूप में मुहैया करायी जाती है ।? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की गलत बयानी से सदन को गुमराह करने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए ।? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, राज नाथ सिंह जी की एक राय है, मेरी एक राय है और सच्चाई अग्निवीरों को मालूम है ।? (व्यवधान) हमें बोलने की जरूरत नहीं है । अग्निवीर को किस चीज का सामना करना पड़ता है, शहीद का दर्जा मिलता है या नहीं मिलता है, उसे कम्पेनसेशन मिलता है या नहीं मिलता है, पेंशन मिलती है या नहीं मिलती है, यह उसको मालूम है ।? (व्यवधान)

श्री अमित शाह **:** मान्यवर, पॉइंट ऑफ ऑर्डर है ।? (व्यवधान) अब सदन के सामने दो स्टेटमेंट्स हुए । एक हुआ विपक्ष के नेता का और दूसरा हुआ रक्षा मंत्री माननीय श्री राज नाथ सिंह जी का ।? (व्यवधान) ये कहते हैं कि

एक करोड़ रुपये नहीं मिलता है । श्री राज नाथ सिंह जी ने अधिकृत रूप से कहा कि मारे जाने वाले अग्निवीर को, जो शहीद होता है, उसको एक करोड़ रुपये मिलता है । मान्यवर, उनको फैक्चुअल पोजिशन सदन में रखनी चाहिए । यह सदन झूठ बोलने की जगह नहीं है । ? (व्यवधान) यहाँ सच बोलना चाहिए ।? (व्यवधान) अगर ये नहीं रखते हैं, ? (व्यवधान) ये अपने स्टेटमेंट का सत्यापन नहीं करते हैं, तो उनको सदन से, देश से और अग्निवीरों से माफी माँगनी चाहिए ।? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** मैंने अग्निवीर की सच्चाई फ्लोर ऑफ द हाउस पर रखी है और राज नाथ सिंह जी ने भी कहा है । जो रियलिटी है, वह हिन्दुस्तान की सेना को मालूम है । वह अग्निवीरों को मालूम है । उनके कहने से या मेरे कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है ।? (व्यवधान) सच्चाई तो उनको मालूम है । ? (व्यवधान) उनको मालूम है सच कौन बोल रहा है ।? (व्यवधान) डरो मत, डरो मत ।? (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री**;** तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री **(**श्री किरेन रिजिजू**) :** स्पीकर सर, मेरा एक छोटा-सा अनुरोध है । चूंकि यह विषय गंभीर है । अभी माननीय गृह मंत्री जी ने जो बातें रखी हैं कि दो स्टेटमेंट्स हुए । रक्षा मंत्री जी ने सदन में जो स्टेटमेंट रखा और विपक्ष के नेता माननीय राहुल गांधी जी ने जो स्टेटमेंट रखा है, इसमें इन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के बोलने से क्या फर्क पड़ता है । लीडर ऑफ अपॉजिशन इतना हल्का-फुल्का स्टेटमेंट कैसे दे सकते हैं? ? (व्यवधान) इसलिए इन्होंने जो बात रखी है, उसकी पुष्टि करनी चाहिए ।? (व्यवधान) हम लोग भी नियम के मुताबिक अपनी बात रखेंगे । ? (व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Sir, we need some more time as the Ministers are continuously intervening. ? (*Interruptions*)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, देश की सेना जानती है, पूरा देश जानता है ? ? (व्यवधान) जैसे नोटबंदी की गई, वैसे ही आरबिट्रेरी तरीके से? (व्यवधान)

श्री राज नाथ सिंह **:** अध्यक्ष महोदय, मैं नेता प्रतिपक्ष से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करना चाहता हूं कि कृपया वे सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें । ? (व्यवधान) अग्निवीर योजना के संबंध में बहुत सारे लोगों से, 158 ऑर्गनाइजेशंस के साथ सीधा संवाद स्थापित हुआ है, उनके सुझाव लिए हैं, तब यह अग्निवीर योजना लाई गई है । ? (व्यवधान) बहुत सोच-समझकर यह योजना लाई गई है । ? (व्यवधान)

मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इस प्रकार की योजनाएं दुनिया के कई देशों में हैं । ? (व्यवधान) यूएस में है, यूके में है, वहां पर किसी को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है । ? (व्यवधान)

बिना अग्निवीर योजना के बारे में समझे, बिना उस संबंध में पूरी जानकारी हासिल किए, इस तरीके से सदन को गुमराह करना, इसे कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता । ? (व्यवधान)

मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इसे सदन की कार्यवाही से बाहर निकाला जाना चाहिए । ? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** देखिए, सिंपल सी बात है । ? (व्यवधान)

स्पीकर सर, इनको अग्निवीर अच्छा लगता है, आप उसको रखिए । ? (व्यवधान) हम उसको बदल देंगे, हटा देंगे । ? (व्यवधान) यह सिंपल सी बात है । ? (व्यवधान) हमारी सरकार आएगी, तो हम अग्निवीर को हटा देंगे । ?

(व्यवधान) क्योंकि हम सोचते हैं कि अग्निवीर सेना के खिलाफ है, जवानों के खिलाफ है और देशभक्तों के खिलाफ स्कीम है । ? (व्यवधान) हम इस स्कीम को नहीं चाहते हैं । ? (व्यवधान)

पहली बार हिंदुस्तान की हिस्ट्री में जनता से स्टेट्स छीने गए हैं । ? (व्यवधान) जम्मू कश्मीर, लद्दाख से आपने पहली बार स्टेट छीना है । ? (व्यवधान) मणिपुर को आपने सिविल-वॉर में डुबा दिया है । ? (व्यवधान) मणिपुर को आपने और आपकी योजनाओं ने, आपकी पॉलिटिक्स ने जला दिया है । ? (व्यवधान) आज तक हिंदुस्तान के प्रधान मंत्री मणिपुर नहीं गए हैं । ? (व्यवधान) ऐसा लगता है कि मणिपुर हिंदुस्तान का प्रदेश ही नहीं है । ? (व्यवधान) प्रधान मंत्री के लिए मणिपुर स्टेट ही नहीं है । ? (व्यवधान) मणिपुर में सिविल-वॉर हो ही नहीं रही है और एक बार बयान दिया, हमने मतलब प्रेशर लगाया, हम गए, हमने प्रधान मंत्री जी से कहा कि एक मैसेज दे दीजिए, मणिपुर चले जाइए, वहां की जनता की रक्षा कीजिए, लेकिन वे नहीं गए । ? (व्यवधान)

मैं वहां गया, कुकी और मैतेई, दोनों से मिला । ? (व्यवधान) नहीं, आज तक आंसर नहीं मिला, आंसर मिल नहीं सकता । ? (व्यवधान) मणिपुर इनके लिए हिंदुस्तान का प्रदेश ही नहीं है । ? (व्यवधान) मणिपुर है ही नहीं । ? (व्यवधान) मणिपुर है ही नहीं, न होम मिनिस्टर के लिए, न प्रधान मंत्री के लिए, मणिपुर है ही नहीं, वह एग्जिस्ट ही नहीं करता । ? (व्यवधान) न प्रधान मंत्री जाएंगे, न कुछ बोलेंगे, जैसे वहां कुछ नहीं हुआ । ? (व्यवधान)

मैं वहां रिलीफ कैम्प में गया । ? (व्यवधान) एक औरत रोते हुए, कांपते हुए मुझसे कहती है कि मैंने अपनी आंखों के सामने ? (व्यवधान) हां, मैं औरतों की बात कर सकता हूं । ? (व्यवधान) मैं कर सकता हूं । ? (व्यवधान) आप अपने संगठन में महिलाओं को नहीं डालते हैं, मगर मैं औरतों की बात कर सकता हूं । ? (व्यवधान) वह मुझसे कहती है कि मेरी आंखों के सामने मेरे बच्चे को गोली मारी गई । ? (व्यवधान) मैं भागना नहीं चाहती थी, मैं मरना चाहती थी, उसके साथ मरना चाहती थी । ? (व्यवधान) मुझे घसीटकर वहां से ले गए और फिर मुझे अपने बच्चे की फोटो दिखाती है । ? (व्यवधान) ऐसे कांपते हुए फोटो दिखाती है । ? (व्यवधान)

यह आपकी योजनाओं का नतीजा है । ? (व्यवधान) आपको ... आनी चाहिए । ? (व्यवधान) एक दिन प्रधान मंत्री आठ बजे कहते हैं, पता नहीं भगवान के साथ फाइन-ट्यूनिंग हो गई । ? (व्यवधान) सर, सर ने यह बोला है, प्रधान मंत्री ने यह बोला है । ? (व्यवधान) यह मैं नहीं बोल रहा हूं । प्रधान मंत्री जी ने बोला है कि मेरा भगवान के साथ डायरेक्ट कनेक्शन है ।? (व्यवधान) यह मैंने नहीं बोला है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय राहुल गाँधी जी, एक मिनट रूकिए । माननीय सदस्य, एक मिनट रूकिए ।

? (व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद (पटना साहिब) **:** महोदय, यह आस्था का विषय है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** रवि शंकर जी, कृपया एक मिनट रूकिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, आप वरिष्ठ नेता हैं । माननीय प्रधानमंत्री जी, सदन के नेता होते हैं । हम सबको माननीय प्रधानमंत्री जी का सम्मान करना चाहिए । सदन में हमेशा उच्च कोटि की परम्परा, मर्यादा रही है ।

? (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई **:** ये नेहरू जी के बारे में क्या बोलते हैं?? (व्यवधान) इंदिरा जी के बारे में क्या-क्या कहा गया है?? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** गौरव बैठो ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपकी बहुत पुरानी पार्टी है ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, मैं रेस्पेक्ट कर रहा हूँ । ये प्रधानमंत्री जी के शब्द हैं, मेरे शब्द नहीं हैं । यह प्रधानमंत्री जी ने कहा है, पब्लिक में, मीडिया से कहा है कि मैं बायोलॉजिकल नहीं हूँ, मेरा डायरेक्ट कनेक्शन भगवान के साथ है । यह मैं नहीं बोल रहा हूँ, यह प्रधानमंत्री मोदी जी ने बोला है । ? (व्यवधान) पता नहीं, उस टाइम, 8 बजे भगवान का मैसेज आया होगा ।? (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य **:** श्री राम का मैसेज आया था ।? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** हाँ वही,? (व्यवधान) मगर फिर श्री राम ने आपको दूसरा मैसेज अयोध्या में दे दिया ।? (व्यवधान)

भगवान का मैसेज आया होगा कि मोदी जी नोटबंदी कर दीजिए । इन्होंने नोटबंदी कर दी । डायरेक्ट ऊपर से मैसेज आया, ऑर्डर आया, खटाक और अलग-अलग ऑर्डर आते हैं, ?* वाला ऑर्डर आता है, बम्बई एयरपोर्ट ? को, ऊपर से ऑर्डर आता है खटाक, खटाखट, खटाखट, खटाखट ऑर्डर आते हैं । नोटबंदी कर दी । स्मॉल और मीडियम बिजनेसेज जो हैं, जो हिन्दुस्तान के रोजगार की रीड की हड्डी हैं, बैकबोन हैं, उन्हें उड़ा दिया । उन्हें उड़ा दिया, खत्म कर दिया । आज नतीजा यह है कि ये जो भी करना चाहें करें, हिन्दुस्तान के युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता । जॉब क्रिएशन, बैकबोन इज ब्रोकन, फिनिश, खत्म । नोटबंदी की, गलत जीएसटी लागू किया । उड़ा दिया । अब मैं सोचता हूँ, पहले मैं सोचता था कि पता नहीं यह कैसे हुआ, अब मैं समझता हूँ कि यह ? जैसे लोगों के लिए किया गया है ।? (व्यवधान) यह रास्ता साफ करने का तरीका था ।? (व्यवधान) यह रास्ता साफ करने का तरीका था । इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उनके पीछे पड़ा रहता है । जीएसटी, डीमोनेटाइजेशन, 24 घंटे उनको तंग करते हैं, उनके कैश फ्लो को रिस्ट्रिक्ट करने की कोशिश करते हैं, कैश फ्लो को क्रश करने की कोशिश करते हैं कि वे परे हट जाएं और अरबपति उनकी जगह ले लें । आप किसी भी छोटे व्यापारी से पूछ लो, आप किसी भी स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस ओनर से पूछ लो, वह आपको इस बारे में बता देगा । मैं गुजरात में गया । टेक्सटाइल ओनर्स के साथ मेरी बात हुई । मैंने उनसे पूछा कि नोटबंदी क्यों हुई, जीएसटी क्यों हुआ, उन्होंने साफ बोला कि अरबपतियों की मदद करने के लिए जीएसटी और नोटबंदी की गई है । नरेन्द्र मोदी अरबपतियों के लिए काम करते हैं । सीधी सी बात है ।? (व्यवधान) मैं जाता रहता हूँ और आपको गुजरात में हराएंगे इस बार ।? (व्यवधान) आप लिखकर ले लो ।? (व्यवधान) आप लिखकर ले लो, आपको अपोजिशन, इंडिया गठबंधन गुजरात में हराने जा रहा है ।? (व्यवधान)

किसानों को डराने के लिए लैंड एक्विजिशन बिल, जिसे हम उनकी जमीन की रक्षा करने के लिए, उन्हें सही कम्पेंसेशन देने के लिए लाए थे, उसे आपने खत्म करने की कोशिश की लेकिन कर नहीं पाए तो कई स्टेटस में

खत्म कर दिया । हर राज्य में आपने उसे खत्म कर दिया । यदि आप नहीं जानते हैं तो चैक कर लो ।? (व्यवधान) हर भाजपा स्टेट में आपने उसे खत्म कर दिया है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप किताब लेकर क्यों खड़े हैं? आप क्या बोलना चाहते हैं?

डॉ. निशिकान्त दुबे **:** महोदय, स्पीकर का डायरेक्शन यह कहता है कि कोई भी सदस्य अपनी बात कहना चाहता है, जैसे अग्निवीर के बारे में कहा या राज्य के बारे में कोई बात कही है, तो उसे ऑथेंटिकेट करना पड़ेगा या माफी मांगनी पड़ेगी । महोदय, यह डायरेक्शन 115(1) और 115(2) है । ? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** अध्यक्ष जी, हमने किसानों के लिए, हमने किसानों को सही मुआवजा दिलाने के लिए जो लैंड एक्विजिशन बिल तैयार किया था, उसे आपने रद्द किया ।? (व्यवधान) ऑथेंटिकेट कर देंगे ।? (व्यवधान) उसके बाद किसानों को डराने के लिए, याद रखिए शिवजी कहते हैं कि डरो मत, डराओ मत । किसानों को डराने के लिए आप तीन नए कानून लाए । प्रधान मंत्री ने उनसे कहा कि ये आपके फायदे के कानून हैं । सच्चाई थी कि वह अदानी जी, अम्बानी जी के फायदे के कानून थे । हिंदुस्तान के सारे के सारे किसान खड़े हो जाते हैं । आज तक वह सड़क ब्लॉक है । अगर आप वहां जाएंगे, तो देखेंगे कि वह सड़क, जिस पर किसान आए थे, वह सड़क आज तक बंद पड़ी हुई है । हरियाणा में दो जगह किसान खड़े हो गए कि यह हमारे हित में नहीं है । आप हमसे हमारी मेहनत का फल छीनना चाहते हो । हम इस बात को एक्सेप्ट नहीं करेंगे । आप हमसे बात नहीं करते हैं ।? (व्यवधान) आप गले नहीं लगते हैं और आप उन्हें आतंकवादी कहते हो ।? (व्यवधान) आप कहते हैं कि ये सब आतंकवादी हैं ।? (व्यवधान) यह झूठ नहीं है, यह सच है ।? (व्यवधान)

श्री अमित शाह **:** मान्यवर, मैं समझ रहा हूं कि विपक्ष के नेता के नाते ये पहली बार बोल रहे हैं, मगर पुस्तक के नियमों के बाहर वह नहीं जा सकते हैं ।? (व्यवधान) यह स्टेटमेंट कह रहे हैं कि हम कहते हैं कि किसान आतंकवादी हैं । यह कैसे सदन में चल सकता है । आप एक तरफा नियमों के ऊपर जाकर उन्हें रियायत दे रहे हैं ।? (व्यवधान) आप हमें संरक्षित कीजिए । ऐसे नहीं चलता है ।? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** 700 किसान शहीद हुए । हमने इस हाउस में कहा कि किसानों के लिए मौन होना चाहिए । आपने मौन नहीं होने दिया । आपने कहा कि ये किसान नहीं हैं । आपके मुताबिक वे किसान नहीं थे, वे आतंकवादी थे ।? (व्यवधान)

देखिए, आपकी एलाई सिर हिला रही हैं । वे भी सहमत हैं । कौर जी सहमत हैं, देखिए । हमारी जरूरत नहीं है । वे सहमत हैं ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, मेरा यह आग्रह है कि आप अपना भाषण समाप्त कीजिए, नहीं तो आपकी पार्टी के लिए जो समय है, वह नहीं बचेगा ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, किसानों ने क्या मांगा? किसानों ने सिर्फ यह कहा कि अगर अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ हो सकते हैं, तो हमारा भी थोड़ा-सा कर दीजिए । ? (व्यवधान) किसान ने यह कहा कि अगर हर प्रोडक्ट के लिए सही प्राइस मिलती है तो हमें भी एमएसपी दे दीजिए । आप लोगों ने कहा कि किसान का कर्ज माफ नहीं होगा और एमएसपी नहीं मिलेगी ।? (व्यवधान)

कृषि और किसान कल्याण मंत्री**;** तथा ग्रामीण विकास मंत्री **(**श्री शिवराज सिंह चौहान**) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, ये गलतबयानी कर रहे हैं ।? (व्यवधान) एमएसपी सरकार दे रही है और यह मोदी जी की सरकार है ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, उत्पादन की लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत जोड़कर एमएसपी दी जा रही है ।? (व्यवधान) अगर यह नहीं दी जा रही है तो ये सत्यापित करें ।? (व्यवधान) ये गलतबयानी कर रहे हैं ।? (व्यवधान) ये सदन को गुमराह कर रहे हैं ।? (व्यवधान) आज भी एमएसपी पर खरीद जारी है ।? (व्यवधान) अभी-अभी 14 खरीफ फसलों के एमएसपी के रेट्स हमने तय किए । ? (व्यवधान) ये बताएं जब इनकी सरकार थी, तब एमएसपी कितनी मिलती थी? ? (व्यवधान) उस समय कितनी खरीद होती थी? ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज भी एमएसपी पर खरीद जारी है ।? (व्यवधान) ये गलतबयानी कर रहे हैं ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये यह सत्यापित करें कि एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही है ।? (व्यवधान) यह गलतबयानी की जा रही है ।? (व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI: I am talking about legal guarantee. ? (*Interruptions*)

Speaker, Sir, it is about MSP with legal guarantees.? (*Interruptions*) The issue is of MSP with legal guarantee not just MSP. MSP is being given but kisans want MSP with legal guarantee which you are not ready to give them. ? (*Interruptions*)

किसानों के मन में आपने डर डाला, भय डाला । महिलाओं में महंगाई, गैस सिलिंडर; सेना में अग्निवीर, हर व्यक्ति के लिए आप लोगों ने भय का कोई न कोई पैकेज दिया, गिफ्ट दिया, तोहफा दिया ।? (व्यवधान)

अब हम स्टूडेंट्स की बात करते हैं । आप जो दो हजार साल पहले की बात करते हैं तो थोड़ी-सी भविष्य की भी बात कर देते हैं, इंडिया के फ्यूचर की बात कर देते हैं ।

रोज़गार तो आपने खत्म कर दिए । नोटबंदी, जीएसटी लागू किया । जो स्मॉल एण्ड मिडियम बिजनेसेज़ थे, उनको आपने खत्म कर दिया ।

युवाओं को आर्मी में ऑपोर्च्यूनिटी मिलती थी । उनके लिए आपने ?अग्निवीर? दे दिया । वह खत्म कर दिया, रास्ता ब्लॉक कर दिया । पब्लिक सेक्टर को आप प्राइवेटाइज करते हैं । वह रास्ता बंद कर दिया और अब एक नया फैशन निकला है ? ?नीट ।? प्रोफेशनल एग्ज़ाम्स को आपने कॉमर्शियल एग्ज़ाम्स में बदल दिया ।? (व्यवधान)

NEET is not a professional exam; NEET is a commercial exam. ? (*Interruptions*) नीट में एक स्टूडेंट टॉपर हो सकता है, एक्सिलेंट स्टूडेंट हो सकता है, लेकिन अगर उसके पास पैसा नहीं है तो वह मैडिकल कॉलेज में नहीं जा सकता है । सिंपल सी बात है । ? (व्यवधान) नीट का पासिंग मार्क 20-22 पर्सेंट है । वह पूरा का पूरा एग्ज़ाम अमीर बच्चों के लिए बनाया गया है । ? (व्यवधान) ? ये जो कमर्शियल एग्ज़ाम्स आपने बना रखे हैं, सात सालों में 70 बार पेपर्स लीक हुए हैं । ? (व्यवधान) प्रेसिडेंट्स एड्रेस में न नीट की बात होगी, न अग्निवीर की बात होगी । ? (व्यवधान) ये बातें नहीं होंगी । ? (व्यवधान)

स्पीकर सर, हमने कहा कि एक दिन का डिस्कशन अलाऊ कर दीजिए । हम आपके साथ खड़े हो कर इसको रिज़ॉल्व करना चाहते हैं । यह इंस्टिट्यूशनल फेल्योर है । हम मदद करना चाहते हैं, इसको रिज़ॉल्व करना चाहते हैं । लेकिन सरकार कहती है कि नहीं, इस पर डिस्कशन नहीं होगा । भविष्य का डिस्कशन हो ही नहीं सकता है । यह तो हालत है । जहां भी ये देखते हैं, ये सोचते हैं कि भय कैसे पैदा करें । ये माइनोरिटीज़ को डराते हैं । ? (व्यवधान) कांग्रेस आपसे नहीं डरती है । आप कांग्रेस से डरते हैं । ? (व्यवधान) ? और माइनोरिटीज़ ने क्या किया? वे हर स्फेयर में हिंदुस्तान को रिप्रेज़ेंट करते हैं, नाम रोशन करते हैं । वे पत्थर की तरह हिंदुस्तान के साथ, एक साथ खड़े हैं और देशभक्त हैं । आपने सारे के सारे माइनोरिटीज़ पर आक्रमण किया, उनके खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाई । ?(व्यवधान) शिव जी कहते हैं ? (व्यवधान) सर, वह देखिए आपने कैमरे से मेरा चेहरा हटा दिया । ? (व्यवधान) सर, देखिए वापस आ गया । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, एक मिनट ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, आप नेता प्रतिपक्ष हैं और मैं आपसे यह अपेक्षा करता हूँ कि सदन की गरिमा बनी रहे, मर्यादा बनी रहे और नियमों का पालन हो । आप खुद शिव जी को भगवान मानते हैं और उनको बार-बार इस तरीके से यहां पर चित्रित करना उचित नज़र नहीं आता है, ऐसा मुझे लगता है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** एक मिनट । आप रूल्स की किताब पढ़ोगे?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** रूल्स में है कि आप सदन में किसी भी चित्र को नहीं दिखा सकते हैं, आप किसी का नाम नहीं ले सकते हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप नियम-प्रक्रियाओं से नहीं बोल रहे हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** सदन की मर्यादा नियम-प्रक्रियाओं से चलती है, जो आपने बनाए हैं, हम सबने बनाये है ।

? (व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI: Speaker, Sir, this is not right.....*(Interruptions)*

श्री भूपेन्द्र यादव **:** माननीय स्पीकर महोदय, मैं आपका ध्यान रूल 356 की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं । अगर कोई सदस्य स्पीकर साहब के ध्यान में लाने के बाद इर्रेलिवेंट और लगातार किसी विषय को बार-बार

दोहराता है तो आपके पास यह अधिकार है कि आप उस सदस्य को निर्देशित करके रोक सकते हैं । आप अपने अधिकार का प्रयोग कीजिए ।? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** सच्चाई को रोका नहीं जा सकता है ।

माननीय अध्यक्ष **:** हैबी ईडन, आप रूल्स के बारे में बोलिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** अच्छा, इनको रूल्स पर चलने दीजिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या यह रूल 349 में नहीं है? चलिए, आप बताइए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप सुनाइए ।

? (व्यवधान)

SHRI HIBI EDEN (ERNAKULAM): Sir, I want to draw your attention towards Rule 349 (ii) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha. It says:-

?Whilst the House is sitting, a member shall not interrupt any member while speaking by disorderly expression or noises or in any other disorderly manner;*?.... (Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष **:** पहले आप रूल नंबर बोलिए ।

? (व्यवधान)

SHRI HIBI EDEN: This is under Rule 349 (ii). *....(Interruptions)*

Sir, the hon. Minister is continuously disturbing the House and intervening. .... *(Interruptions)*

Sir, Rule 349 (viii) says:-

?Whilst the House is sitting, a member shall maintain silence when not speaking in the House.?

Sir, Rules 349 (ii) and 349 (viii) are very clear. *....(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष **:** आपने 349 के बारे में बताया । इस पर आ जाते हैं । सभा में झंडे, प्रतीक या कोई भी प्रदर्शित वस्तु प्रदर्शित नहीं करेंगे ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय प्रतिपक्ष के नेता, अब आपके सदस्य रूल की पालना कर लें, अच्छा है ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** नीट सहित सब जगह आपने भय फैलाया ।? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** इनके सदस्य ने जो नियम बताया, उसकी पालना करने के लिए मैं कह रहा हूं ।

? (व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE (SRERAMPUR): Sir, when an hon. Member is speaking in the House, under which Rule the hon. Minister can interfere? ....*(Interruptions)* Is it a Question Hour? ....*(Interruptions)*

माननीय अध्यक्ष **:** आप महान अधिवक्ता हैं । आप बैठिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आसन पर बैठे सभापति या अध्यक्ष माननीय सदस्य को अलाऊ कर सकते हैं । यह क्या नियम में नहीं है?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** नो, वह कर सकता है । आप रूल्स पर मत चलिए ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या यह नियम में नहीं लिखा है कि एलओपी बोले तो आप बीच में नहीं बोल सकते हैं?

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** अध्यक्ष जी आसन की व्यवस्था दे सकते हैं ।

? (व्यवधान)

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): Sir, you have allowed three Ministers to interfere. ....*(Interruptions)* I want to make a very short reference to Rule 362, which says:-

?A member while speaking shall not make personal reference by way of making an allegation imputing a motive to or questioning the bona fides of any other member of the House??

Sir, has Rahul Gandhi made reference to any other Member? ….*(Interruptions) Or h*as he used utter treasonable, seditious or defamatory words? ….*(Interruptions)* Is mentioning the name of Shiva defamatory? ….*(Interruptions)*

सर, आप सुनिए । ये लोग नहीं समझते है, may be because of their inadequate knowledge of English. ….*(Interruptions)* He did not make any personal reference. ….*(Interruptions)*

Raj Nath Singh ji made a point on ?Agniveer?. There is a method to correct any wrong statement made in the House. Please read Direction 115(1) of *Directions by the Speaker*. It says:

?A member wishing to point out any mistake or inaccuracy in a statement made by a Minister or any other member shall, before referring to the matter in the House, write to the Speaker pointing out the particulars of the mistake or inaccuracy and seek the permission of the speaker to raise the matter in the House.?

Has Mr. Raj Nath Singh written to you? ? (*Interruptions*) No, he has not written. ? (*Interruptions*)

SHRI RAJ NATH SINGH: I sought the permission. ? (*Interruptions*)

प्रो. सौगत राय**:** सर, श्री शिवराज सिंह चौहान इतने दिनों बाद लोक सभा में आए, खड़े होकर बोलने लगे । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्य, अभी आप सुनिए ।

? (व्यवधान)

प्रो. सौगत राय **:** यह मजाक की जगह है क्या?? (व्यवधान) He has not given a notice. He cannot point out a mistake. On MSP, he made a statement. What right does he have, without referring, ? (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** आपने नियम 352 का हवाला दिया । नियम 352 के अन्दर स्पष्ट रूप से लिखा है, कोई भी ऐसे तथ्य कभी भी नहीं बोले जाएंगे, जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं । मैं अपेक्षा करूंगा कि प्रतिपक्ष के नेता इन नियम प्रक्रियाओं की पालना करेंगे ।

दूसरा विषय, जो माननीय सदस्य ने कहा है, 102 के अंदर ही सदन में सभापति या अध्यक्ष किसी भी माननीय सदस्य को बोलने की इजाजत दे सकता है । यह नियम-प्रक्रिया के तहत है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मैं अपनी परमीशन से किसी को भी एलाऊ कर सकता हूं । मेरी बिना परमीशन के कोई नहीं बोला है ।

? (*Interruptions*)

SHRI RAHUL GANDHI : Mr. Speaker, Sir, on NEET, the students spend years and years preparing for their exam. Their family supports them financially and emotionally, and the truth about the NEET is that today students do not believe in the exam because they are convinced that the exam is designed for rich people and not for meritorious people.

I have met a number of NEET students. Every single one of them tells me that the exam is designed to create a quota for rich people and to create a passage for them into the system, and is designed not to help the poor students. Now, ऐसा भी बहुत बार होता है, महीनों पढ़ाई करते हैं, यह पता नहीं कि एग्जाम लीक होगा या नहीं होगा, अगर पास भी हो गए, तो पैसा कहां से आएगा? उधर भी इन लोगों ने भय डालने का काम किया, तो जहां भी देखते हैं, ये भय डालते हैं । सेना में, युवाओं में, किसानों में, मजदूरों में, महिलाओं में और डिसेबल्ड में भी । मैं यह भी कह सकता हूं कि सिर्फ बाकी हिंदुस्तान में ही नहीं, मगर उनकी पार्टी में भी भय है । आपकी पार्टी में डर है, भय है । यह सच्चाई है । अब आप चिल्ला नहीं रहे हैं । अब आप शांत हैं, बिल्कुल शांत हैं ।? (व्यवधान) सच्चाई बोल दी, चिल्ला नहीं रहे, चुप ।? (व्यवधान) प्राब्लम क्या है, आप चिल्ला भी नहीं सकते हैं । ? (व्यवधान) मैं बोल रहा हूं, समझा रहा हूं । ? (व्यवधान) लोकतंत्र में पार्टी में डेमोक्रेसी होनी चाहिए । इन पार्टियों में कोई भी आकर कुछ भी कह देता है । ग्रुप ऑफ 22, 23, 24, 25 सब, जो बोलना होता है, बोल देते हैं, मगर आपकी पार्टी में भय है । सत्यमेव जयते, न डरो, न डराओ ।

Sir, when I became LoP I realised something that I had not realised before and it is also on the lines of the principles of Shiva. The idea was that after becoming LoP, all my personal dreams, my personal aspirations, and my personal fears have to be put aside. I am actually two people. I am not one person. I am a Constitutional person and my job is to be the Leader of the Opposition, to represent all these parties equally. In fact, I do not just represent the Congress Party. I represent every single party here. I have to treat every single party with love and affection. So, when Hemant Soren ji is in jail or Kejriwal ji is in jail, it should disturb me; it should hurt me. When you unleash your agencies on these political people, it is our job to defend them because there is a Constitutional person and an individual. What Shiv ji is saying is that when you are a Constitutional person, the individual should die. The individual?s aspirations, the individual?s dreams should die and you should become the voice of the people, meaning that you should have no fantasies, no

dreams, nothing. The perfect public representative is one who is actually dead. That is what Shiv ji is saying.

Speaker Sir, there are two structures now. One is me as an individual and one is me as the Leader of the Opposition. I, as an individual, might have my likes and dislikes. I might have my views but I, as the Leader of the Opposition, have to suppress them, have to reduce them and say, now I am the voice of the Opposition. That is the idea of the democratic system. The people have given me a responsibility and that responsibility should overcome my personal likes, dislikes, and aspirations.

Now, Speaker Sir, why I am saying this is because ? forgive me for saying this ? when you were being put in that Chair, I walked with you to the Chair. I shook hands with the Prime Minister and I shook hands with you. Then I walked to your Chair. You are the final arbiter of the Lok Sabha. You are the final word here. What you say fundamentally defines Indian democracy. Sometimes, you do not allow us to speak. Sometimes, you allow us to speak. Sometimes, you allow them to speak. Sometimes, you do not allow us to speak. All these things define Indian democracy.

Speaker Sir, there are actually two people sitting in that Chair. There is the Speaker of the Lok Sabha, the Speaker of the Indian Union, and there is Mr. Om Birla. When Modiji went and shook your hand and I went to shook your hand, I noticed something. When I shook your hand, you stood straight and shook my hand. When Modiji shook your hand, you bowed down and shook his hand. ? (*Interruptions*)

श्री अमित शाह **:** अध्यक्ष महोदय, यह आसन के सामने आरोप है । यह चेयर के सामने आरोप कर रहे हैं । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** माननीय प्रतिपक्ष के नेता, माननीय प्रधान मंत्री सदन के नेता हैं । मुझे मेरी संस्कृति और संस्कार व्यक्तिगत जीवन, सार्वजनिक जीवन में और इस आसन के लिए कहते हैं कि जो हमसे बड़े हैं उनको झुककर नमस्कार करो । मुझे यही सिखाया है । बराबर वालों से बराबर का व्यवहार करो, मुझे यही सिखाया है ।

? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** हां, मैं इस बात को आसन से कह रहा हूं कि मेरी संस्कृति और संस्कार यही हैं कि बड़ों का झुककर और आवश्यक हो तो पैर छूकर सम्मान करो, जो बराबर और उम्र से छोटे हैं, उनसे बराबर का व्यवहार करो । यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं । मैं इस संस्कृति और संस्कार का पालन करता हूं ।

? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** स्पीकर सर, मैं आपकी बात को एक्सेप्ट करता हूं ।? (व्यवधान) मैं आपकी बात की रिस्पेक्ट करता हूं, मगर मैं आपको कहना चाहता हूं कि इस हाउस में कोई स्पीकर से बड़ा नहीं होता है । ? (व्यवधान) स्पीकर सबसे बड़ा है । हम सबको स्पीकर के सामने झुकना चाहिए । ? (व्यवधान) मैं आपके सामने झुकूंगा और सारा का सारा अपोजिशन आपके सामने झुकेगा । ? (व्यवधान) यह लोकतंत्र है । आप इस हाउस के लीडर हैं । ? (व्यवधान) आपको किसी के सामने नहीं झुकना चाहिए ।? (व्यवधान) आप कस्टोडियन हैं । ? (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य**:** सदन के नेता प्रधान मंत्री हैं । ? (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **:** अंत में Speaker is the ?अध्यक्ष? and he is the last word. ? (*Interruptions*)

Speaker is the last word in the Lok Sabha and in that spirit, as Members of the Lok Sabha, we are subservient to the Speaker. ? (*Interruptions*) I believe that. ? (*Interruptions*) Now, there might be people in this room, who think they are not, but I am. ? (*Interruptions*) I think that the entire Opposition believes that they are subservient to you, Sir. ? (*Interruptions*) We will listen to what you say and we will bow in front of you. ? (*Interruptions*) But the only thing that I would request you, Speaker Sir, is that it is important that there is fairness in this House. Now, I gave a speech and it was interrupted throughout. ? (*Interruptions*) Now, all this time is going to be taken away from my colleagues and I think that is unfair. ? (*Interruptions*)

Finally, I would like to say that the principles that allowed us to fight are in our traditions -- truth, courage and non-violence; and they are all in our religions. And, what you have come to represent today is untruth, a complete lack of courage and violence. My recommendation to you, if you take it, is that this country has a Government and you are the Government. And you are -- whether we like it or not -- the Government of India. ? (*Interruptions*)

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI PIYUSH GOYAL): It is elected by the people. ? (*Interruptions*)

SHRI RAHUL GANDHI : Yes, it is elected by the people, and I agree to that. But I would say to you that as individual Members and as the Cabinet, you do not spread fear or hatred in this country; that you listen to the farmers of this country; and that you listen to the students of this country. When the Opposition says that let us have a debate for one day, have it as it is not going to harm anybody. ? (*Interruptions*) They are going to love you for it. ? (*Interruptions*) The students of India are going to say that we love the Government because they allowed us to speak for one day. So, do not spread hatred; do not spread violence; and do not be

fearful. This applies even to the BJP Members here or even to the Cabinet Members. Do not be fearful. You have a Constitutional position.

You are individuals and you also have a constitutional provision. Shri Rajnath Singh is an individual and he is the Defence Minister of India. That is the way this country has to be run. We are the Opposition. Do not take us as your enemies. We are not your enemies. We are sincerely here to make your work easier as long as you follow the basic principles that are there. These principles are Shiv ji?s principles. You can say ?*Har Har Mahadev*?. What I have explained here today is the concept of Indian leadership in all religions ? respect, affection, *ahimsa* and always standing up for the truth. I am more than happy and all of us are also more than happy to discuss anything you want without being nasty and aggressive. We are ready to discuss anything you want. Please let us work together to take this country forward. You are the Government. We have to accept that. You have got 240 seats. I congratulate you on that. At least, accept it. You are not happy. Okay! I would say that we both want to work for this country, work with the spirit of bravery, work without violence, and work without hatred**.**

श्री अमित शाह **:** मान्यवर, मैं लोक सभा अध्यक्ष के निर्देश की पुस्तिका के 10 वें संस्करण का 115 वां बिंदु आपके सामने उल्लिखत करना चाहता हूं । इसके ?क? से ?घ? तक पढ़ें, तो यह बहुत स्पष्ट है कि कोई भी मंत्री या सदस्य भाषण देते वक्त तथ्यात्मक चीजें रखता है और सदन का कोई और सदस्य इसको ऑब्जेक्ट या चैलेंज करता है, तो आसन इसको सत्यापित करने का निर्देश दे सकता है ।

मान्यवर, विपक्ष के नेता ने भाषण में कई चीजें ऐसी रखीं, जो तथ्यात्मक नहीं हैं और सत्य नहीं हैं । समय-समय पर यहां से ट्रेजरी बेंच में सत्यापन की मांग की गई है । ? (व्यवधान) हम सभी की ओर से मेरा आपसे निवेदन है कि इनकी स्पीच और ट्रेजरी बेंच से लिए गए सारे ऑब्जेक्शन को ध्यान में रखकर नेता प्रतिपक्ष को अपने भाषण में बिना तथ्य की और बिना सत्य की जो बातें रखी गई हैं, उनका सत्यापन करने के लिए आपका निर्देश मिले और हमें संरक्षण मिले ।

माननीय अध्यक्ष : इसका सत्यापन करेंगे ।